हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 328 | बेमेतरा, मंगलवार 15 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

पहला कॉलम

एमपी में डीएम साहब ने खोया आपा, परीक्षा केंद्र में गूंजे थप्पड़

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले से एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी परीक्षा के दौरान एक छात्र को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। आरोपी अधिकारी भिंड के जिला मजिस्ट्रेट संजीव श्रीवास्तव हैं। घटना 1 अप्रैल की बताई जा रही है, लेकिन इसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, घटना भिंड के दीनदयाल दंगरुलिया महाविद्यालय की है, जहाँ बीएससी द्वितीय वर्ष की परीक्षा चल रही थी। इसी दौरान डीएम संजीव श्रीवास्तव निरीक्षण के लिए पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने रोहित राठौड़ नाम के एक छात्र को नकल के संदेह में पकड़ा और उस पर थप्पड़ बरसा दिए। वायरल सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि डीएम छात्र को थप्पड़ मार रहे हैं और फिर उसे दूसरे कमरे में ले जाते हैं।

डीजल ले जा रही मालगाड़ी में लगी आग, कई ट्रेनें प्रभावित

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह मालगाड़ी डीजल या कच्चा तेल लेकर जा रही थी। इस घटना के बाद तिरुवल्लूर और अरक्कोणम रूट पर चेन्नई सेंट्रल की ओर आने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों को बीच रास्ते में रोक दिया गया है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित ट्रेनों में मंगलुरु से आने वाली चेन्नई सेंट्रल मेल शामिल है, जो सुबह 6:10 बजे चेन्नई पहुंचने वाली थी, लेकिन इसे तिरुवल्लूर स्टेशन पर रोक दिया गया है। इसके अलावा, अशोकपुरम से आने वाली कावेरी एक्सप्रेस, जो सुबह 6:45 बजे पहुंचने वाली थी, अरक्कोणम स्टेशन पर खड़ी है। नीलगिरी एक्सप्रेस, जिसे सुबह 6:25 बजे चेन्नई सेंट्रल पहुंचना था, तिरुवल्लनगाडू स्टेशन (तिरुवल्लूर जिले) में रुकी हुई है। वहीं, कोयंबटूर से आने वाली चेरन सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो सुबह 7 बजे चेन्नई सेंट्रल पहुंचने वाली थी, भी अरक्कोणम स्टेशन पर खड़ी है।

बिहार में 10 लाख युवाओं को नौकरी, 39 लाख को रोजगार

पटना। बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नौकरी और रोजगार बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। इसी बीच, रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और करीब 39 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है। उन्होंने यह भी वादा किया कि अगले पांच साल (2025 से 2030) में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नौकरी और रोजगार का जिक्र करते हुए लिखा, राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले।

राजस्व निरीक्षक परीक्षा में गड़बड़ी

मूणत ने राजस्व मंत्री को घेरा, भूपेश ने की सीबीआई जांच की मांग.....

■ नारेबाजी करते हुए विपक्ष का सदन से वाक आउट...

रायपुर। संवाददाता

पटवारी से राजस्व निरीक्षक बनाए जाने को लेकर हुई विभागीय परीक्षा में गड़बड़ी का मामला आज विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन जमकर गूंजा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के सामने सवालों की झड़ी लगा दी, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग कर डाली। सवालों पर मंत्री की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं आने पर सारे कांग्रेस विधायक सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।प्रश्नकाल में भाजपा विधायक राजेश मूणत का सवाल था कि क्या जनवरी 2024 में पटवारी से राजस्व निरीक्षक की विभागीय परीक्षा के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जांच हेतु गठित समिति व्दारा जांच प्रतिवेदन राजस्व विभाग को सौंपा जा चुका है? जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद शिकायत के कुछ बिन्दुओं पर

गृह विभाग से जांच कराने के निर्णय पर क्या हुआ एवं इसकी अद्यतन स्थिति क्या है? दोषी लोगों पर कार्रवाई कब तक की जायेगी? इन सवालों पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की तरफ से जवाब आया कि गृह विभाग के पत्र 19 फरवरी 2025 व्दारा प्रशासकीय विभाग पुलिस जॉच अथवा एफ्आईआर कराने हेतु स्वयं सक्षम होने का उल्लेख कर प्रकरण राजस्व विभाग को वापस कर दिया गया। गृह विभाग के उपरोक्त टीप के परिप्रेक्ष्य में राजस्व निरीक्षक विभागीय परीक्षा 2024 के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जॉच ईओडब्ल्यू/एसीबी अंतर्गत तकनीकी विशेषज्ञों से कराये जाने हेतु विभागीय ज्ञापन 4 मार्च 2025 व्दारा सामान्य प्रशासन विभाग को लिखा गया है। जाँच प्रक्रियाधीन होने के कारण दोषी लोगों पर कार्रवाई के संबंध में समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है।राजेश मूणत ने पूछा कि परीक्षा में कुल कितने परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, नियम प्रक्रिया क्या थी? मंत्री ने कहा कि परीक्षा विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले हुई थी। फरवरी 2024 में परिणाम आया था। परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत हुई, जिसकी जांच कराई गई। जांच में अनियमितता पाई गई। पता चला परीक्षा के समय भाई-भाई आसपास बैठे थे। रिश्तेदार बैठे थे। इस सब के साथ वाट्सअप चैटिंग जांच के दायरे में आई थी।

खाद-बीज की किल्लत पर विपक्ष का हंगामा, सदन की कार्यवाही स्थगित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत पहले ही दिन हंगामेदार रही। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने प्रदेशभर में खाद और बीज की भारी कमी का मुद्दा उठाया। इस मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने स्थगन प्रस्ताव लाकर इस पर चर्चा की मांग की। प्रश्नकाल के तत्काल पश्चात शून्य काल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सदन में जोरदार नारेबाजी की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश के किसान खाद की कमी से बेहद परेशान हैं और उन्हें बाजार से महंगे दामों में खाद खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खाद वितरण में पूरी तरह नाकाम रही है। विपक्ष के भारी विरोध के बीच कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सदन में सफाई दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों की वजह से रासायनिक खाद की आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन राज्य सरकार ने इसके वैकल्पिक समाधान पहले से तैयार कर लिए थे।

परिवार ने की विशेष शिव पूजा

शुभांशु शुक्ला.... की आईएसएस से वापसी का काउंटडाउन शुरू

लखनऊ। एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के परिवार में चंद्रयान मिशन की सफलता को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल है। शुभांशु 15 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से भारत लौटेंगे। उनके पिता शंभु दयाल शुक्ला, मां आशा शुक्ला और बहन शुचि मिश्रा ने इस उपलब्धि पर सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर शुभांशु की सकुशल वापसी की प्रार्थना की। शंभु दयाल शुक्ला (शुभांशु शुक्ला के पिता) ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कहा, आज सावन का पहला सोमवार था। हमने मंदिर में जाकर भगवान शिव का अभिषेक किया और घर पर भी पूजा की। भोलेनाथ की कृपा से यह मिशन सफल हुआ। हमें पूरा विश्वास है कि उनकी कृपा से शुभांशु सकुशल लौटेंगे। उनके पिता ने बताया कि शुभांशु ने मिशन में दिए गए सभी लक्ष्यों को पूरा किया है। उन्होंने गर्व से कहा, सारे जहां से अच्छा हमारा हिंदुस्तान अब और बेहतर हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। मैं उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं। शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने खुशी जताते हुए कहा, घर में उत्साह का माहौल है। शुभांशु की वापसी की खबर से हम बहुत खुश हैं। मैंने भगवान से उनकी सकुशल वापसी की प्रार्थना की है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हिंदुस्तान पहले से ही अच्छा है, और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह और बेहतर हुआ है। उनके प्रयासों से यह मिशन सफल हुआ। शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा ने कहा, हम उत्साहित और थोड़े नर्वस भी हैं। यह मिशन का आखिरी और महत्वपूर्ण चरण है।

ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी

संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की....

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और जानेमाने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। उनसे ब्रिटिश हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई। वाड्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। 56 वर्षीय वाड्रा सुबह 11 बजे के बाद मध्य दिल्ली स्थित संघीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। उनके साथ केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। रॉबर्ट वाड्रा को एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश यात्रा के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी उनसे तीन अलग-अलग धन शोधन मामलों में पूछताछ कर रही है, जिनमें यह मामला भी शामिल है। अन्य दो मामले भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं से संबंधित हैं। 63 वर्षीय भंडारी 2016 में आयकर विभाग की ओर से दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद लंदन भाग गए थे। हाल ही में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है।इससे पहले पिछले महीने वे ईडी की ओर से

ईडी की चार्जशीट में क्या है दावा?

ईडी ने 2023 में इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि भंडारी ने 2009 में लंदन में एक मकान खरीदा और उसे रॉबर्ट वाड्रा के निर्देशानुसार रिनोवेट कराया। एजेंसी का दावा है कि इस रिनोवेशन के लिए पैसा वाड्रा ने दिया था। रॉबर्ट वाड्रा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनकी लंदन में कोई भी प्रॉपर्टी नहीं है। उन्होंने इन आरोपों लेकर कहा कि उन्हें राजनीतिक मकसद के तहत परेशान किया जा रहा है।

समन भेजे जाने के बाद भी पेशी के लिए नहीं आए थे। इसकी वजह उनका विदेश में होना बताया गया था। इससे पहले ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए वाड्रा को अपने दफ्तर बुलाया था। मामला ब्रिटेन के रहने वाले हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है। मामले की जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

सीकर में छात्र ने आत्महत्या की, निजी हॉस्टल के कमरे में लगाई फांसी

सीकर। राजस्थान के सीकर में एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह छात्र सीकर शहर के उद्योग नगर थाना इलाके में नीट की तैयारी कर रहा था। शनिवार रात छात्र ने निजी हॉस्टल के कमरे में बेडशीट से फांसी लगाई। इससे आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक छात्र की पहचान बालोतरा जिले के समदड़ी निवासी दिनेश कुमार के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, छात्र 2 दिन पहले ही इस हॉस्टल में आया था और सिर्फ एक दिन कोचिंग के लिए गया।

छत्तीसगढ़ के शिवालय का धार्मिक मान्यता

यहां खाली हाथ नहीं लौटते शिवभक्त, मुरादें होती हैं पूरी, स्वयं बजरंग बली ने रखा था शिवलिंग....

रायपुर। 11 जुलाई से श्रावण महीने की शुरुआत हो चुकी है। सावन के पहले सोमवार को रायपुर के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। सुबह 5 बजे से ही लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। राजधानी के पूरे शिवालय हर-हर महादेव की जयघोष से गूंज रहे हैं। रायपुर के महादेवघाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर में सावन के पहले दिन भारी संख्या में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव की मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। हरिद्वार के लक्ष्मण झूला की तर्ज पर यहां बने लक्ष्मण झूला और खारून नदी में नाव की सवारी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पास में बने गॉर्डन यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। रायपुर सहित अन्य जिलों के सैलानी यहां बड़ी संख्या पहुंचकर इसका आनंद लेते हैं। शहर की जीवनदायिनी नदी 'खारुन' तट पर स्थित ऐतिहासिक हटकेश्वरनाथ मंदिर का विशेष महत्व है। 1402 ई में कल्चुरी वंश के राजा रामचंद्र के

पुत्र ब्रह्मदेव राय के शासन काल में हाजीराज नाइक ने मंदिर का निर्माण करवाया था। ऐसी मान्यता है कि यहां नंदी महाराज के कानों में जो भक्त फरियाद या मन्नत मांगते हैं, उसकी भगवान शिव मुरादें जरूर पूरी करते हैं। सावन के महीने में यहां रायपुर और प्रदेश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के कई जिलों से श्रद्धालु कांवर लेकर पहुंचते हैं। हर साल कांवर पदयात्रा भी निकाली जाती है। धार्मिक मान्यताओं और पुराणों के अनुसार, जहां भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई के लिए रामेश्वरम में समुंद्र पर पुल बनाने की योजना बनाई तो उस समय बजरंग बली को शिवलिंग लाने के लिए कहा गया था।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम ज़िले के खुदवानी में कई वाहनों की टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त बस के पास खड़े सुरक्षाकर्मी। वार्षिक अमरनाथ यात्रा पर जा रहे कई तीर्थयात्री घायल हो गए।

अब 29 जुलाई को सुनवाई

ईडी के आरोपपत्र पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा.....

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मामले की सुनवाई 29 जुलाई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी, यंग इंडियन पर नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों के धोखाधड़ीपूर्ण अधिग्रहण से संबंधित साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है। ईडी का आरोप है कि गांधी परिवार के पास यंग इंडियन में 76 प्रतिशत शेयर थे, जिसने 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले एजेएल की संपत्ति को धोखाधड़ी से हड़प लिया।

फुटू निकालने जंगल गए आदिवासियों को नक्सलियों ने बनाया निशाना

आईईडी ब्लास्ट में तीन ग्रामीण घायल, जंगल में गए थे फुटू निकालने

भोपालपटनम। संवाददाता

सुरक्षा बलों से हारे नक्सली अब निरीह आदिवासियों को निशाना बनाने लगे हैं। तेंदूपत्ता तोडने और फुटू निकालने जंगल गए आदिवासियों को आईईडी के जरिए हताहत करने लगे हैं। सी ही एक घटना बीजापुर जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अंगमपल्ली के आश्रित गांव धनगोल के जंगली पहाड़ी इलाके में रविवार शाम को हुई। यहां नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी के विस्फेट की चपेट में आने से तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब ग्रामीण जंगल में जंगली मशरूम फुटू संग्रहण के लिए गए हुए थे। घायलों में 24 वर्षीय कोरसे संतोष पिता लक्ष्मैया, 26 वर्षीय चिंडेम कन्हैया पिता किस्टैया और 17 वर्षीया कुडेम कविता पिता नगैया शामिल हैं।ग्रामीणों के अनुसार तीनों धनगोल के जंगल में फुटू निकालने गए थे तभी विस्फेट हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह विस्फेट नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के कारण हुआ।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को मद्देड़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बीजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। जहां घायलों

का इलाज जारी है और सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान जंगलों में नक्सलियों के बिछाए आईईडी ब्लास्ट की घटनाओं और बीजापुर जिले के मद्देड़ इलाके में फुटू खोजने के दौरान हुई इस ताजा घटना ने जाहिर कर दिया है कि अब नक्सली वनोपज इकठ्ठा करने वाले लोगों को भी निशाना बना रहे हैं और तेंदूपत्ता, बोड़ा, फुटू, साल बीज, महुआ आदि वनोपजों पर हक जमाकर उनका कारोबार खुद करना चाहते हैं। बस्तर के आदिवासी बरसात के मौसम में जंगलों से फूटू बोड़ा संग्रहित कर उन्हें गांव शहरों में बेचते हैं। इससे वे रोजगार विहीन बरसात के मौसम में घर चलाने के लिए थोड़ी बहुत रकम की व्यवस्था कर लेते हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा लगातार किए जा रहे कड़े प्रहार से नक्सलियों का संख्या बल काफी कम हो चुका है। और उनकी आर्थिक स्थिति भी डांवाडोल हो चुकी है। बौखलाहट में अब वे आदिवासियों के आर्थिक स्त्रोत पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहे हैं। इस हरकत से अब साफहो गया है कि वो बौखला गए है।

अतिक्रमण मुक्त शासकीय भूमि, स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, सड़क किनारे एवं अन्य खाली जगहों पर करें पौधरोपण - कलेक्टर जन्मेजय महोबे

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ली समय सीमा की बैठक

पीएम आवास में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होगी बर्दाश्त

सड़कों पर गड्ढों की मरम्मत और मवेशियों को हटाने के निर्देश

ई-ऑफिस प्रणाली में दक्षता लाने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बीते सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, विभागवार समय सीमा की लंबित प्रकरणों, जनदर्शन, लोक सेवा गारंटी से प्राप्त आवेदन की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर महोबे ने जिले में वृक्षारोपण के कार्यों को वृहद स्तर पर चरणबद्ध तरीके से करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने अतिक्रमण मुक्त शासकीय भूमि, स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय भवनों, सड़क किनारे एवं अन्य खाली जगहों पर पौधरोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूलों में रिक्त स्थान के आधार पर प्राचार्यों को लक्ष्य देकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्षारोपण करायें। साथ ही वृक्षारोपण में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठन, धार्मिक संगठनो को भी अधिक से अधिक जोड़ने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ लक्ष्य निर्धारित करें और एक पेड़ मां के नाम से पौधारोपण को बढ़ावा दें। पौधारोपण होने के उपरांत उनकी सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संबंधित विभाग की होगी। कलेक्टर ने कहा कि ई-ऑफिस सभी के लिए अनिवार्य है, ई-ऑफिस प्रणाली के प्रशिक्षण गंभीरता से प्राप्त करें, जिससे कार्यप्रणाली आमनागरिकों के लिए अधिक समयबद्ध और पारदर्शी बन सके। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने अधीनस्थ लिपिकों को भी ई-ऑफिस प्रणाली को गंभीरता से सीखने एवं ई-ऑफिस प्रणाली में दक्षता लाने हेतु निर्देशित करें, ताकि जिले में सभी कार्य ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से संचालित किए जा सके। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को कैम्प कोर्ट लगाकर लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं और कार्यों में समन्वय के साथ गुणवत्ता, पारदर्शिता और तत्परता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेदार होंगे और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चल रहे कार्यों की गहन निगरानी के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायत पर त्वरित जांच और कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने पीएमआवास, मनरेगा संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित एसडीएम को जांच करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पोषण ट्रैकर एप में एंट्री की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने पोषण ट्रैकर एप पर अनिवार्य रूप से एंट्री करने निर्देष जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने बारिश के चलते खराब हुई सड़कों की मरम्मत शीघ्र की जाए। जहां गड्ढे बने हैं, उन्हें तत्काल भरवाया जाए। साथ ही उन्होंने सड़?कों पर आवारा मवेशियों की समस्या से निजात दिलाने के लिए संयुक्त टीम गठित कर अभियान चलाकर हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ संवेदनषील क्षेत्र, बांधों एवं जलाशयों, पिकनिक स्पाट में जहां पानी का स्तर अधिक रहता है वहां नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए।

गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर हमला, रायपुर कलेक्ट्रेट में सतनामी समाज का प्रदर्शन

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के आरंग विधानसभा क्षेत्र से विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। यह घटना बेमेतरा जिले के नवागढ़ क्षेत्र में उस वक्त हुई जब विधायक साहेब का काफिला गुजर रहा था। हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर पथराव किया। इस निंदनीय घटना के विरोध में सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में रायपुर कलेक्ट्रेट के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने घटना की तीव्र निंदा करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर रायपुर एसपी लाल उमेद सिंह को ज्ञापन सौंपा। युवा प्रदेश अध्यक्ष कमल कुर्रे, सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ ने कहा यह सिर्फ एक जनप्रतिनिधि पर नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज पर हमला है। हम दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हैं, और धर्म गुरु जेड प्लस सुरक्षा की मांग की,वरना पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन होगा। कोमल संभाकर युवा प्रमुख, सतनामी समाज ने कहा गुरु खुशवंत साहेब हम सबके सम्मान और आवाज़ हैं। उन पर हमला हमारी अस्मिता पर हमला है। प्रशासन यदि गंभीर नहीं हुआ तो हम चुप नहीं बैठेंगे। लोकतांत्रिक तरीके से, लेकिन पूरे प्रदेश में न्याय के लिए लड़ाई लड़ी जाएगी। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में समाज के युवा मौजूद थे। सभी ने एक सुर में प्रशासन से सख्त कार्यवाही की मांग की और चेतावनी दी कि अगर दोषी पकड़े नहीं गए, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान दिलीप कुर्रे राकेश बघेल उपकार सुलतान मोना खांडे राजा बंजारे तरुण व्यवहार,हेमलाल भारती विनोद डिंडलोकर, हेमचंद्र गायकवाड़ वीरेंद्र हिरवानी, चन्दन चांदने, दिनुपाल,रमेश जांगड़े अजय जांगड़े जितेश भारती,सूरज जांगडे तेज टोड़र जोहान पाटले, सीताराम खरे,सूरज ग्रीतलहरे , यमन सोनवानी रवि मनहर,तामेश बघेल, अमर माण्डले,मनोज बारले,डेमसन, ललित, लक्ष्मण ,नरेश चतुर्वेदी, सुभाष भारती, रूपेंद्र,अनिल निराला,मनीष घृतलहरे, तुषार जी,अविनाश, विजय, विकाश, हेमन, आकाश,एवं बड़ी संख्या में सामाजिक युवा प्रकोष्ठ मौजूद रहे।

गुरु खुशवंत साहेब पर हमले के दौरान वाहन चालक यशवंत गायकवाड़ की सूझबूझ से टली बड़ी अनहोनी

बेमेतरा/आरंग/रायपुर/ मूक पत्रिका

आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब पर नवागढ़ क्षेत्र में हुआ हमला अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। घटना के दौरान कुछ पल इतने भयावह थे कि उन्हें शब्दों में व्यक्त कर पाना कठिन है। हम विशेष रूप से हमारे चालक यशवंत गायकवाड़ का हृदय से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने उस संकट की घड़ी में अद्भुत सूझबूझ, सतर्कता और साहस का परिचय दिया। जब अचानक सामने से पथराव हुआ और वाहन असंतुलित होने की स्थिति में था, उस क्षण यशवंत गायकवाड़ ने बिना घबराए गाड़ी को पूरी समझदारी से नियंत्रित किया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। उस क्षण गुरु साहेब और मैं स्वयं देवेन्द्र निराला कुछ समय के लिए स्तब्ध और भयभीत रह गए थे। लेकिन यह परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की अपार कृपा और यशवंत की सजगता ही थी,जिससे हम सुरक्षित रहे। ऐसे समर्पित, निष्ठावान और साहसी साथियों पर हमें गर्व है। हम घटना की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर शीघ्र सख्त कार्रवाई की माँग करते हैं। साथ ही समाजजनों एवं क्षेत्रवासियों से अपील करते हैं कि वे धैर्य बनाए रखें और अफ़वाहों से बचें।

कलेक्टर ने धान संग्रहण केन्द्र का किया निरीक्षण

शेष धान के शीघ्र उठाव की व्यवस्था करने के दिए निर्देष

कोंडागांव/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने बीते सोमवार को पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार के साथ कोण्डागांव स्थित धान संग्रहण केन्द्र पहुंचकर शेष धान के उठाव के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने संग्रहण केन्द्र कोण्डागांव और जोबा में उठाव के लिए शेष धान की मात्रा की जानकारी ली और उठाव की समुचित व्यवस्था हेतु डीएमओ एवं खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने शेष संग्रहित धान को बारिश से बचाव और उठाव की आवश्यक व्यवस्था करने को कहा और संग्रहण केन्द्र के मार्ग में सुधार कार्य करने को कहा ताकि वाहनों के आवाजाही में दिक्कत न हो। डीएमओ ने बताया कि धान संग्रहण केन्द्र कोण्डागांव में 5150 मीट्रिक टन धान शेष है, वहीं जोबा में 49349 मीट्रिक टन धान उठाव हेतु शेष है। इस अवसर पर खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव और डीएमओ सतीश नानवारे उपस्थित थे।

पालना केंद्र का किया अवलोकन -कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार ने जिला कार्यालय परिसर के लक्ष्य कोचिंग केन्द्र में स्थित पालना केंद्र का अवलोकन किया और बच्चों की उपस्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बच्चों के लिए खेल सामग्री और अन्य गतिविधियों से अवगत हुए। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अवनी कुमार बिस्वाल और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय आईटीआई बेमेतरा में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 से 23 जुलाई तक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास विभाग अंतर्गत संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आई.टी.आई.) बेमेतरा में सत्र 2025-26 एवं 2025-27 के लिए विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 16 जुलाई 2025 से 23 जुलाई 2025 तक संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण की अधिकृत वेबसाइट https://cgiti.admissions.nic.in के 'ऑनलाइन एप्लीकेशन 2025' लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश हेतु उपलब्ध प्रमुख व्यवसायों में विद्युतकार (इलेक्ट्रीशियन), कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा) एवं मेकेनिक डीजल शामिल हैं। आवेदन से पूर्व प्रशिक्षण विवरणिका का अध्ययन करना अनिवार्य है, जो उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। विवरणिका में शासकीय आईटीआई के नाम, व्यवसायवार सीटों की संख्या एवं शैक्षणिक योग्यता की स्पष्ट जानकारी दी गई है। प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 01 अगस्त 2025 को 14 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि उच्चतम आयु सीमा का कोई बंधन नहीं रखा गया है। चयनित आवेदकों को एसएमएस के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी, अतः आवेदन करते समय सही और सक्रिय मोबाइल नंबर देना आवश्यक है। जिले के युवा इच्छुक अभ्यर्थियों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठाएं।

गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रवेश पा सकेंगे डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा कोर्स में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छ.ग. शासन एवं दाऊ वासुदेव चन्द्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम चोरभट्ठी में गत् चार वर्षों से संचालित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कक्षा 12वीं में गणित एवं बायोलॉजी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 12 वीं अंको के मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किये जाने की अनुमति प्रदान की गई हैं। यह निर्णय जिले के उन विद्यार्थी के भविष्य को लेकर किया गया है जिनके पास गणित एवं बायोलॉजी विषय से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने पश्चात तकनीकी शिक्षा के समुचित विकल्प उपलब्ध नहीं होते।

उल्लेखनीय है कि चोरभट्ठी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक के द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम में देश एवं प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे डेयरी उद्योग के लिये सक्षम युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है एवं महाविद्यालय से उत्तीर्ण सभी छात्राओं के लिये नौकरी एवं व्यवसाय के बहुविकल्प उपलब्ध रहते है जिससे एक ओर जिले एवं प्रदेश के विद्यार्थियों को रोजगार आसानी से उपलब्ध होता है तथा दूसरी ओर प्रदेश में स्थापित शासकीय, अर्ध शासकीय एवं निजी डेयरी संस्थाओं की अन्य प्रदेशों के सक्षम युवाओं पर निर्भरता कम होती है। अभी संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ है और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का विषेष रूप से गणित एवं बॉयोलॉजी विषय के विद्यार्थियों के लिये डेयरी सेक्टर में अपना भविष्य सुनिश्चित करने का यह सुनहरा अवसर है। प्रवेश प्रक्रिया हेतु चोरभट्ठी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक या विस्तृत जानकारी हेतु मोबाइल नं. 8964844803, 9340291259, 7000231858, 7000240762, 9098360150 पर संपर्क किया जा सकता है।

साधो गुरु बिना जग अंधियारा - भजनों की अनुपम प्रस्तुति

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला स्तरीय गुरु पूर्णिमा मानस महोत्सव का आयोजन ग्राम घोरहा(संबलपुर) तहसील नवागढ़ में ग्रामवासी एवं माँ भद्रकाली तहसील मानस संघ नवागढ़ एवं माँ भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस आयोजन में उपस्थित जिलाध्यक्ष देवलाल सिन्हा ने अपने संबोधन में गुरु की महिमा पर कहा कि सच्चे गुरु का सानिध्य मिलने से कठिन से कठिन कार्य सुलभ हो जाते हैं एवं मानस से जुड़े सभी कलाकारों को संगठित होकर रहने अनुरोध किया गया। जिला संरक्षक-माधोराम साहू सेवानिवृत्त तहसीलदार ने अपने व्याख्यान में नई युवा पीढ़ी को मानस से जुड़ने,व पेड़ लगाकर पर्यावरण को संरक्षित करने संदेश दिया। जिले के चारों विकासखंडों की मानस मंडलियों ने अपनी प्रस्तुतियां दी जिसमें वैदेही मानस मण्डली गोपालभैना नवागढ़, श्री राम सेवा सत्संग समिति पिपरभट्ठा बेमेतरा, अनुराग सरोवर मानस मंडली बेतर साजा ,आदर्श मानस मंडली भरचट्टी बेरला, स्वर रागिनी मानस परिवार नवागांव करंजिया बेमेतरा, जय माँ दुर्गा मानस मंडली कोसपातर बेरला,भजनांजली मानस मण्डली घोटवानी साजा ने अपनीमनमोहक प्रस्तुतियाँ दी 7 संगठन के वरिष्ठ कलाकार राजकुमार ताम्रकार, राजेश वैष्णव, तानेश्वर साहू, नोहर दास मानिकपुरी, महेश साहू, नरेन्द्र जायसवाल ने एक साथ मंचस्त होकर श्रीरामचरितमानस की आरती व विसर्जन सम्पन्न कराया 7 उक्त कार्यक्रम में मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी माखन साहू ओंकार चंद्राकर,राजकुमार ताम्रकार, राजेश वैष्णव ,एम.डी.धीवर, बिहारी यदु ,ओम यदु युवास्वर , गजेन्द्र वर्मा, बिष्णु साहू महेश साहू, नरेंद्र जायसवाल, भीखम देवांगन, डॉ. ललित साहू, सनत साहू, चुरावन साहू, डूमन लाल साहू, जलेश्वर मानिकपुरी, धनेश साहू, कन्तिरम साहू, अदालत वर्मा , रमा साहू, रुखमनी साहू, शकुंतला साहू, लता निषाद, ममता साहू, बंशी ठाकुर, अदालत सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। ग्राम-घोरहा में लगभग 50 वर्षों से मानस मंडली एवं राम लीला का मंचन किया जा रहा है जो की संस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से बहुत ही सराहनीय हैं ग्रामीण स्तर मे आयोजन से बहुत ही उत्साह व समर्पण भाव देखने को मिला कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति के सदस्य मनेजर धरमू राम राजपूत, ईश्वर राजपूत (कथा व्यास),पवन सिंह राजपूत, धनसाय राजपूत, खेमलाल विश्कर्मा, सतानंद राजपूत, रामश्वरूप राजपूत, भिखा राम राजपूत एवं बड़े संख्या में उपस्थित रहे ग्रामवासी घोरहा द्वारा उत्साहपूर्वक आयोजन को सफल बनाने में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी के द्वारा सावन के पहले सोमवार पर शिवलिंग स्थापना एवं रुद्राभिषेक माँ गोदावरी आनंद वन, गोमची में सम्पन्न

बेमेतरा/देवकर/मूक पत्रिका

ग्राम गोमची स्थित माँ गोदावरी आनंद वन में बीते सोमवार को सावन मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर शिवलिंग की विधिवत स्थापना एवं रुद्राभिषेक का आयोजन भक्ति एवं श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन की अगुवाई जिला पंचायत अध्यक्ष एवं माँ गोदावरी आनंद वन की ट्रस्टी श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी जी ने अपने परिवारजनों के साथ की। शिवलिंग स्थापना के पश्चात रुद्राभिषेक, मंत्रोच्चार और सामूहिक आरती ने सम्पूर्ण वातावरण को भक्ति से सराबोर कर दिया। आयोजन में आश्रम में निवासरत सभी बुजुर्गों ने भी भाग लेकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। श्रीमती तिवारी ने कहा कि सावन का यह पुण्य अवसर सेवा और संस्कार को जोड़ने का समय है। बुजुर्गों की सेवा करना और शिवभक्ति में लीन होना दोनों ही हमारे जीवन के सच्चे उद्देश्य हैं। माँ गोदावरी आनंद वन सिर्फ एक आश्रम नहीं, बल्कि एक भावनात्मक परिवार है, जहां हर पर्व आध्यात्मिक उत्सव बन जाता है। इस अवसर पर भजन, आरती, प्रसाद वितरण और सामाजिक सौहार्द का सुंदर दृश्य देखने को मिला। इस विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए डॉ. सीपी सेन (प्रबंधक), श्रीमती संगीता सेन, होरीलाल तिवारी, हमेश्वर दुबे, सुशील तिवारी, सुरेश, शांतिलाल जैन, सकलदेव, चंद्रहास, श्रीमती पूनम, विनय शर्मा, श्रीमती नर्मदा, दिलीप सहित अन्य सेवा भावी व बुजुर्गजन।

18 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी युवा अपना नाम मतदाता सूची में जल्द जुड़वाएँ - कलेक्टर शर्मा

नवयुवाओं से लोकतंत्र में भागीदारी की अपील, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पं. जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा में 18 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के नवयुवाओं के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु विशेष पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भागीदारी का महत्व समझाते हुए प्रेरणास्पद संबोधन दिया। कलेक्टर शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा, अक्सर लोग व्यवस्था में खामियों की शिकायत करते हैं, लेकिन इस व्यवस्था को बेहतर बनाने का सबसे बड़ा माध्यम हम नागरिक ही हैं। यदि हमें सही प्रतिनिधि चुनना है तो सबसे पहले हमें मतदाता बनना होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि जो विद्यार्थी 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं वे जल्द से जल्द अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाएँ और अन्य साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका अहम होती है। उन्होंने महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मतदान की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, वोटर आईडी कार्ड के लाभों की जानकारी देते हुए जागरूक किया। शिविर में भाग लेने वाले नवयुवाओं को ऑनलाइन फॉर्म-6 भरना अनिवार्य किया गया। इसके लिए विद्यार्थियों को आधार कार्ड, 10वीं की अंकसूची, पासपोर्ट साइज फोटो, परिवार के किसी एक सदस्य का फोटो परिचय पत्र दस्तावेज साथ लाना आवश्यक बताया गया । उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थियों की उपस्थिति और दस्तावेजों की पूर्ति के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने कहा कोई मतदाता न छूटे इस संकल्प को लेकर यह विशेष शिविर आयोजित किया गया है ताकि प्रत्येक युवा लोकतांत्रिक प्रणाली में भागीदारी निभा सके। मास्टर ट्रेनर सुनील झा ने बताया कि नामांकन की सुविधा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है। साथ ही, विशेष कैंपों के माध्यम से प्रक्रिया को आसान बनाया गया है।

विद्यार्थियों को दिलाई गई लोकतंत्र की शपथ-कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों को लोकतंत्र को मजबूत बनाने एवं जागरूक नागरिक बनने की शपथ दिलाई गई।

उन्होंने संकल्प लिया कि वे जिम्मेदार नागरिक बनकर मतदान अवश्य करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करेंगे। इस अवसर पर आयोजित शिविर में छात्रों द्वारा तैयार चित्रकला एवं रंगोली प्रदर्शनियों का कलेक्टर शर्मा ने अवलोकन किया।इसके साथ ही, मतदान से संबंधित एक क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एडीएम डॉ. अनिल वाजपेयी, एसडीएम श्री प्रकाश भारद्वाज, महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को विशेष शिविर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाएँ और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाए 7जिला प्रशासन का यह अभिनव प्रयास युवाओं को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

प्रेशर IED विस्फोट से मशरूम बीनने गए तीन ग्रामीण घायल

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर द्धश्वष्ठ विस्फोट में एक किशोरी सहित तीन ग्रामीण घायल हो गए। यह हादसा 13 जुलाई 2025 की शाम को उस समय हुआ जब ग्राम धनगोल के कुछ ग्रामीण जंगल में मशरूम (फुट्टु) बीनने गए थे। जंगल में पहले से लगाए गए द्धश्वष्ठ के ब्लास्ट होते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना में घायल हुए ग्रामीणों की पहचान कविता कुड़ियम (16 वर्ष), कोरसे संतोष (26 वर्ष) और चिड़ेम कन्हैया (24 वर्ष) के रूप में हुई है, जो सभी धनगोल गांव, थाना मद्देड़, जिला बीजापुर के निवासी हैं। विस्फोट से तीनों के पैरों और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया, जहां रात में ही उनका उपचार शुरू कर दिया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। प्रशासन और पुलिस ने लोगों से जंगलों में जाने के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। साथ ही कहा गया है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम थाना या सुरक्षा बलों को दें, जिससे ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। माओवादियों की यह कायरतापूर्ण हरकत एक बार फिर साबित करती है कि वे निर्दोष ग्रामीणों को भी नहीं बख्शते। सुरक्षा एजेंसियां घटना की जांच में जुट गई हैं।

आइसेक्ट कंप्यूटर कॉलेज चांपा के संचालक डॉ मूलचन्द गुप्ता हुए शिक्षा रत्न अवॉर्ड से सम्मानित

नेपाल के पूर्व मंत्री व वर्तमान सांसद लीला वल्लभ, नेपाल पर्यटन बोर्ड के भावेश श्रेष्ठ, एन एच आर सी बी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणधीर सिंह के हाथों हुआ सम्मान

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कोसा, कांसा और कंचन की नगरी चांपा में विगत 27 वर्षो से उच्च स्तरीय कंप्यूटर प्रशिक्षण का कार्य करने वाले गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं आइसेक्ट कंप्यूटर कॉलेज चांपा के संचालक मूलचन्द गुप्ता ने गुणवत्ता पूर्वक कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करते हुए 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किए जिसमें से लगभग 2100 विद्यार्थियों को जॉब दिलाने में सफल भी रहे। डॉ. गुप्ता की पढ़ाने की कला और तरीका इतना अद्वितीय है, वे कि किसी भी टॉपिक या प्रैक्टिकल को एक बार बता देते हैं, उसके बाद दुबारा विद्यार्थियों को पूछने की आवश्यकता ही नहीं होती है। वे इतने सटीक और साधारण लहजे में समझाते हैं कि सभी को आसानी से समझ आ जाता है। उनके 27 वर्षो की मेहनत और ईमानदारी और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की क्वॉलिटी ने ही आज उन्हें औरों से अलग बनाते हैं, उनकी इसी उच्च स्तरीय क्वालिटी ट्रेनिंग के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणधीर कुमार तथा नेपाल कोशी के पूर्व कानून एवं आंतरिक मामला मंत्री वर्तमान एवं सांसद लीला वल्लभ पर्यटन बोर्ड के अधिकारी भावेश श्रेष्ठ समाज सेवी एवं निसहाय बाल बालिका आश्रम संचालिका गीता कुमारी गौतम चाइल्ड वेलफेयर सोसाइटी के राजेंद्र श्रेष्ठ, रबी गौतम के हाथों राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अधिवेशन में डॉ. मूलचन्द गुप्ता को शिक्षा रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया है और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी सहित प्रेस क्लब के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

फसल बीमा के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई तक

मुंगेली । खरीफ वर्ष-2025 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत बीमा के लिए 31 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले के लिए धान सिंचित, धान असिंचित, सोयाबीन, अरहर (तुअर), कोदो, कुटकी, रागी, मक्का, मूंग, उड़द एवं मूंगफली फसल अधिसूचित है। उन्होंने बताया धान सिंचित के लिए 1200 रूपए, धान असिंचित के लिए 860 रूपए, सोयाबीन के लिए 820 रूपए, अरहर (तुअर) के लिए 700 रूपए, मक्का के लिए 720 रूपए, उड़द एवं मूंग के लिए 440 रूपए, मूंगफली के लिए 840 रूपए, कोदो के लिए 320 रूपए, कुटकी के लिए 340 रूपए एवं रागी के लिए 300 रूपए प्रति हेक्टयर कृषक अंशराशि निर्धारित है। अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी कृषक को फसल बुआई प्रमाण पत्र अथवा फसल बोने का स्वघोषणा पत्र, नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2), बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ वैध मोबाइल नम्बर देना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि कृषक फसल बीमा के अंतिम तिथि के पूर्व निकटतम बैंक शाखा, ग्रामीण बैंक, सहकारी समिति, लोक सेवा केन्द्र, भारत सरकार की बीमा पोर्टल के माध्यम से बीमा करा सकते हैं। जिले में योजना का क्रियान्वयन एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंश कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

'डिजिटल फसल सर्वेक्षण' कार्यक्रम 15 अगस्त से 30 सितंबर तक

मुंगेली । शासन के निर्देशानुसार 'डिजिटल फसल सर्वेक्षण' कार्यक्रम अंतर्गत जिले के समस्त राजस्व ग्रामों में खरीफ फसल वर्ष 2025 हेतु सर्वेक्षण कार्य 15 अगस्त से 30 सितंबर तक किया जाएगा। सर्वेक्षण का उद्देश्य सटीक और पारदर्शी फसल आँकड़े एकत्रित कर कृषि नीतियों एवं योजनाओं को प्रभावी बनाना है। भू-अभिलेख शाखा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रत्येक ग्राम में 20 योग्य सर्वेक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के इच्छुक युवक-युवतियाँ आवेदन कर सकते हैं। चयनित सर्वेक्षकों को तहसील स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा एवं उन्हें डिजिटल एप के माध्यम से कार्य करना होगा। प्रत्येक सर्वेक्षक को प्रारंभिक रूप से 25 खसरों का सर्वेक्षण कार्य सौंपा जाएगा, जिसकी प्रगति एवं गुणवत्ता के आधार पर आगामी कार्य आबंटित किया जाएगा। एप में दर्ज सटीक जानकारी के आधार पर ही सर्वेक्षण स्वीकार किया जाएगा। सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु प्रत्येक प्रविष्टि की जांच तहसील स्तर के अधिकारियों द्वारा की जाएगी। फसल सर्वेक्षण हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 12वीं निर्धारित की गई है। ग्राम के निवासी, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि महाविद्यालय या अन्य स्थानीय संस्था के विद्यार्थी 25 जुलाई तक तहसील कार्यालय मेंआवेदन कर सकते हैं।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु आवेदन 25 जुलाई तक

मुंगेली । मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम चमारी और बोदा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां एवं अन्य सहकारी समितियों से 25 जुलाई तक आवेदन मंगाए गए हैं। मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने बताया कि इच्छुक समितियां आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मुंगेली में कार्यालयीन समय पर जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया और पात्रता संबंधी अधिक जानकारी संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जिले में बीते सोमवार को 24.9 मिली मीटर वर्षा दर्ज

मुंगेली। जिले में बीते सोमवार को 24.9 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। वहीं 01 जून से अब तक 2253.3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंगेली तहसील में आज 19.0 मिली मीटर, लोरमी तहसील में 2.5 मिली मीटर तथा लालपुर थाना तहसील में 3.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में अब तक 181.7 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा- चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 14 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 181.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 259.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 83 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 142.3 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 210.2 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 190.1 मि.मी., देवकर तहसील में 179 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 245.8 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 138.5 मि.मी. एवं साजा तहसील में 187 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों की वर्गवार चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची जारी

काउंसलिंग 15 से 18 जुलाई तक

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

प्रयास आवासीय विद्यालयो के सत्र 2025-26 की कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का वर्गवार मेरिट सूची एवं प्रतीक्षा सूची विभाग की वेबसाइट https://eklavya.cg.nic.in एवं जिलें की वेबसाइट पर जारी की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों की वर्गवार काउंसलिंग की प्रक्रिया 15 से 18 जुलाई 2025 तक निर्धारित किया गया है। जिसमें अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (पीवीटीजी) बालकों के लिए 15 जुलाई को, अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (पीवीटीजी) बालिका के लिए 16 जुलाई को, अनुसूचित जाति बालक और बालिका के लिए काउंसलिंग 17 जुलाई को, अन्य पिछडा वर्ग बालक और बालिका के लिए काउंसलिंग 18 जुलाई को एवं सामान्य वर्ग बालक और बालिका, अल्पसंख्यक बालक और बालिका के लिए काउंसलिंग 18 को प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे प्रवास कन्या आवासीय विद्यालय गुढ़ियारी जिला रायपुर में किया जाएगा। आवश्यक दस्तावेज- विद्यार्थी निर्धारित काउंसलिंग तिथि को अपना प्रवेश पत्र, सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र, सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, वर्ष 2024-25 में कक्षा 8वीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, यदि परिवार नक्सल हिंसा से सीधे प्रभावित है तो इस आशय का संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रमाण पत्र, शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र या शाला छोड़ने का प्रमाण पत्र, विद्यार्थी की मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी चिकित्सा जांच प्रमाण पत्र, सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र स्वयं का 02 पासपोर्ट साईज रगीन फोटो दस्तावेजों के साथ उपस्थित होवें मेरिट सूची में दर्शित विद्यार्थी के साथ एक अभिभावक, पालक को काउंसलिंग स्थल में प्रवेश की पात्रता होगी। निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने की स्थिति में रिक्त सीट के आधार पर संस्था आबंटित किया जावेगा।

न्यू क्रिएशन एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल चांपा में किया गया वृक्षारोपण

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

स्थानीय न्यू क्रिएशन एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल पी आई एल रोड चांपा के स्कूल परिसर में 10 जुलाई को वृक्षारोपण दिवस आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि विद्यालय के संचालक दिनेश प्रसाद एवं प्रिंसिपल रत्नामाला, एकेडेमिक डीन स्वेता।आशावान, वरिष्ठ शिक्षिका सुनिश्चिता सिंह, जया देवांगन, रूचि पांडेय, सोनिया देवांगन, एवं अन्य शिक्षिकाएं निशा ओजस्वी, सुष्मा गराई, प्रतिभा विश्वास, शालिनी इंगले, श्वेता देवांगन, प्रियंका पटेल, भावना साहू, ज्योति देवांगन व अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्कूल संचालक दिनेश प्रसाद ने बच्चों एवं सारे शिक्षकों को पर्यावरण एवं धरती में मानव जीवन पर वृक्षौं के महत्व को विस्तार से समझाया और अधिक से अधिक पेड़ लगाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने निजी अवसरों जैसे जन्मदिन, सालगिरह व अन्य अवसरों पर वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि हमारा वह दिन हमेशा याद रहे, और हम पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

कोटवारों ने तहसील में अनावश्यक ड्यूटी पर जताया विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की तह. शाखा बेमेतरा-दाढ़ी ने बीते सोमवार को जिले के कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए तहसील कार्यालयों में कोटवारों की अनावश्यक ड्यूटी पर कड़ा विरोध जताया। संगठन के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कोटवारों ने मांग की है कि तहसील स्तर पर उन्हें बार-बार बुलाकर बैठाना बंद किया जाए।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि कोटवारों को लगातार एसडीएम और तहसील कार्यालयों में उपस्थित होने का आदेश दिया जा रहा है, जिससे गांवों में उनकी मूल ड्यूटी प्रभावित हो रही है। केवल महीने में एक दिन जरूरी मीटिंग या साप्ताहिक जानकारी के लिए बुलाने की मांग की गई है।कोटवारों का कहना है कि वे पहले से ही ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और मजदूरों के साथ खेती और मेहनत-मजदूरी करते हैं, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण चलता है। बार-बार तहसील कार्यालय बुलाए जाने से न सिर्फ उनका समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि आर्थिक संकट भी गहराता जा रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि कोटवारों को मात्र ?6000 मासिक मानदेय मिलता है, जो परिवार चलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। संगठन ने मांग की है कि तहसील ड्यूटी के लिए आने-जाने हेतु मोटर साइकिल भत्ता और मजदूरी राशि भी निर्धारित की जाए ताकि कोटवार परिवार अच्छे से जीवन यापन कर सके। ज्ञापन के अंत में संगठन ने प्रशासन से उचित कार्रवाई की अपील की है और चेताया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को विवश होंगे।

किसान सम्मान निधि से कई हजार किसान वंचित है

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी से प्रदेश सचिव दाऊ, राम चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जिला बेमेतरा के किसान एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के कई हजारों किसान सम्मान निधि से वंचित है आगे चौहान ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,,क्क्रू,चढ्ढस्ह,, योजना के तहत किसानों को केंद्र सरकार प्रतिवर्ष रुपए 6000 की सहायता दी जाती है लेकिन जिला बेमेतरा व छत्तीसगढ़ प्रदेश के कई हजारों किसान इस योजना से वंचित है यह चिंता जनक है आगे चौहान ने बताया कि मुख्य कारण,, आधार एवं बैंक खातों की त्रुटियां पंचाय तो द्वारा समय पर सत्यापन नहीं करना पटवारी यो, द्वारा लापरवाही से जांच तकनीकी गड़बड़ियां के कारण भुगतान अटका हुआ है आगे चौहान ने यह भी बताया कि जिला बेमेतरा एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रशासन की निष्क्रियता के कारण हजारों किसान अब तक पीएम किसान योजना से वंचित है जिसे ध्यान में रखते हुए चौहान ने प्रशासन से निम्न मांग की गई है,1, ग्रामीण स्तर पर पुनः सर्वे, 2, सर्वे कर सूची अपलोड किया जाए,3, लंबित व अस्वीकृत प्रकरणों की समीक्षा कर त्वरित समाधान किया जाए स्थानी से लेकर पूरे प्रदेश के पंचायतो में जागरूकता शिविर आयोजित किया जाए जिससे इस योजना से वंचित हजारों पात्र, किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल सके उक्त किसान की सम्मान निधि मांग को लेकर शिवसेना उद्धव वाला साहब ठाकरे पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश सचिव दाऊ राम चौहान ने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, व प्रधानमंत्री केंद्र शासन के नाम से जिला कलेक्टर द्वारा ज्ञापन दिया एवं अपील भी की गई है और यदि किसानों के सम्मान निधि में निष्क्रियता की गई तो शिवसेना पार्टी शासन प्रशासन के खिलाफ आंदोलन प्रदर्शन की जाएगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी उक्त मांग व ज्ञापन पत्र में उपस्थित जिला प्रमुख गिरवर रजक, जिला उप प्रमुख रामचरण वर्मा, ईश्वर साहू, जिला महासचिव डोमेन्द्र राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राजपूत, जिला सचिव सुनील सेन, दिलीप रजक, विधानसभा प्रमुख नारायण साहू, ब्लॉक प्रमुख कुलदीप आ डिल, बेर ला, ब्लॉक प्रमुख छवि राम यादव, दुखित वर्मा, वीरू चौहान, रमेश रा त्रै, रोहित यादव, सनत रा त्रै, दानी यादव एवं समस्त शिव सैनिक उपस्थित थे।

शिवालयो में प्रातः काल से ही जलाभिषेक करने लगी रही भक्तों की कतार

गांव से शहर तक गुंजा ओम नमः शिवाय, धर्म नगरी दंतेवाड़ा हुआ शिवमय

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

पवित्र श्रावण माह की पहली सोमवार होने से बीते सोमवार को गांव से लेकर शहर के सभी शिवालयों में ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव, बोल बम की मधुर जयकारे चारों ओर सुनाई पड़ रही है । भक्तगण प्रातः सुबह से ही शिवालयों में पहुंचकर जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से सुख ,शांति , समृद्धि का आशीर्वाद मांग रहे हैं। जिला मुख्यालय समेत आसपास के सभी शिवालयों में भोलेनाथ के पूजा दर्शन करने भक्तों की काफी भीड़ देखी जा रही है। गौरतलब है कि इस वर्ष सावन मास 11 जुलाई से प्रारंभ हुआ है इस श्रावण मास में चार सोमवार पड़ेंगे ,आज श्रावण मास का पहला सोमवार पड़ा है आज पहले सावन सोमवार होने से नगर के सभी शिवालयों में भोलेनाथ के दर्शन, पूजन के लिए सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ लगी रही ।दंतेश्वरी मंदिर रोड स्थित दोनों शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालु भोलेनाथ को जलाभिषेक करने पहुंचे थे , माई जी मंदिर के पीछे स्थित भैरमदेव बाबा मंदिर में भी भक्तों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। वहीं पुराने कलेक्टर्ड स्थित हटकेश्वर शिवालय में भी प्रातः काल से महिला वर्ग की अच्छी खासी भीड़ देखी गई, भक्तगण शिवालयों में पहुंचकर जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा एवं कनेर के फूल व पुष्प शिवलिंग में अर्पित कर भोलेनाथ से सुख, समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं।श्रावण मास को लेकर शिव भक्तों में उत्साह का वातावरण है शास्त्रों में सावन मास को भगवान शंकर केपूजा अर्चना के लिए श्रेष्ठ माना गया है वैसे तो सावन मास में पूरे दिन भक्तगण भोलेनाथ की पूजा करते हैं ।लेकिन श्रावण मास में पढ़ने वाले प्रत्येक सोमवार का दिन शिव भक्तों के लिए विशेष महत्व का होता है, ऐसी मान्यता है है कि श्रावण मास महादेव भोलेनाथ का सबसे प्रिय मास होता है। इस पवित्र मास में भगवान शिव की आराधना करने से भक्तों को पूर्ण लाभ की प्राप्ति होती है तथा सारे दुख दर्द दूर हो जाते हैं सुख समृद्धि आती है सच्चे मन से भोलेनाथ की पूजा करने व व्रत रखने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों को मनवांछित फल एवं वरदान देते हैं ।सावन मास के प्रत्येक सोमवार को अधिक तादात में महिलाएं अपने पति एवं बच्चों की सुख समृद्धि लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। वहीं दूसरी ओर कुंवारी कन्याएं भी व्रत रखती हैं और सच्चे मन से आराधना कर शिवजी से अपने लिए अच्छा वर तथा अच्छा घर मिलने की कामना करती है। गुमरगुंडा स्थित सदानंद शिवालय, समलूर शिवालय, भैरमबाबा मंदिर, हटकेश्वर महादेव मंदिर सहित सभी शिवालयों में भक्तों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

संपादकीय

ऑनलाइन बाजार में फल-फूल रहा आतंक का नेटवर्क

आतंकवादी पिछले कुछ वर्षों से अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने के लिए पारंपरिक तरीके के बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा लेने लगे हैं। खासकर इंटरनेट के जरिए विभिन्न तरह की मदद हासिल करना उनके लिए आसान और सुलभ तरीका बन गया है। वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने भी चौंकाने वाला खुलासा किया है कि आतंकी धन जुटाने और हिंसक वारदातों के लिए आनलाइन सेवाओं का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे हैं। फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल विस्फोटक पदार्थ का एक हिस्सा आनलाइन कारोबारी मंच से खरीदा गया था। यही नहीं, आतंकी बम बनाने की विधि भी इंटरनेट से सीख रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में हुए कई आतंकी हमलों की जांच में इसके प्रमाण मिले हैं। इससे साफ है कि आनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है।एफएटीएफ की रपट में कहा गया है कि आतंकवादी अपने हिंसक अभियानों के लिए उपकरण, हथियार, रसायन और यहां तक की 'थ्री डी-प्रिंटिंग' सामग्री की खरीदारी भी आनलाइन सेवाओं के जरिए कर रहे हैं। यह बात सही है कि आनलाइन खरीदारी की व्यवस्था से लोगों को काफी सहूलियत हुई है, लेकिन इस सुविधा का उपयोग खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए न हो, इस पर कड़ी नजर रखना जरूरी है। निगरानी तंत्र के अभाव में आतंकवादियों और उनके सहयोगियों द्वारा आनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल हिंसक अभियानों के वित्तपोषण के लिए करने की संभावनाओं से भी अब इनकार नहीं किया जा सकता है।इंटरनेट पर विस्फोटक पदार्थ तैयार करने की तकनीक से जुड़ी सामग्री का होना भी चिंता का विषय है। सरकार और संबंधित प्राधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाना होगा। साथ ही आनलाइन सेवा प्रदाता मंचों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री की नियमित निगरानी करें, ताकि इसके दुरुपयोग पर रोक सुनिश्चित हो सके।एफएटीएफ का यह खुलासा भी अहम है कि आतंकवादी संगठनों को कुछ देशों की सरकारों से वित्तीय और अन्य मदद मिल रही है, जिनमें साजो-सामान और सामग्री संबंधी सहायता एवं प्रशिक्षण भी शामिल है। भारत समेत कई देश आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुट प्रयासों पर बल दे रहे हैं, लेकिन कुछ चुनिंदा देशों द्वारा आतंकियों के वित्तपोषण से इस पर पलीता लग रहा है। इससे पहले जून में वैश्विक निगरानी संस्था ने अपनी रपट में कहा था कि पहलगाम आतंकी हमला किसी वित्तीय मदद के बिना संभव नहीं था।इससे आतंकवाद का समर्थन करने की पाकिस्तान की नापाक नीति फिर से जगजाहिर हो गई है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करता है।

मोदी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेषकर दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में चीन की एकाधिकारवादी रणनीति की ओर इशारा करते हुए यह स्पष्ट किया कि कोई भी देश इन संसाधनों को 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल न करे। यह बयान ना सिर्फ भारत की रणनीतिक चिंता को दर्शाता है, बल्कि मोदी के संतुलित, लेकिन दृढ़ वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक भी है। रूस और चीन जैसे देशों की मौजूदगी में भी मोदी ने न तो पश्चिमी ताक़तों की आलोचना की और न ही अंध समर्थन दिया। इसके बजाय उन्होंने ग्लोबल साउथ के अधिकारों, विकास के अवसरों और समावेशी वैश्वीकरण की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उनका यह रुख ब्रिक्स को एकतरफा मंच बनने से रोकता है और भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को उजागर करता है। प्रधानमंत्री के संबोधनों से यह भी स्पष्ट हुआ कि नरेंद्र मोदी केवल घरेलू राजनीति के माहिर नहीं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बारीक समझ रखने वाले नेता भी हैं। देखा जाये तो वह भारत को वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में प्रस्तुत करने में सफल रहे हैं।

मोदी की ब्राजील यात्रा ने सफलता के नए कीर्तिमान रचे

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि ब्राजील के साथ मजबूत संबंध भारत को लैटिन अमेरिका में रणनीतिक पहुँच प्रदान करते हैं। यह महाद्वीप ऊर्जा, खनिज और कृषि संसाधनों से समृद्ध है और भारत के लिए एक नया आर्थिक और भू-राजनीतिक अवसर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया ब्राजील यात्रा सिर्फ एक कूटनीतिक यात्रा भर नहीं थी, बल्कि यह भारत के वैश्विक कद और मोदी की नेतृत्व क्षमता की ताक़त का स्पष्ट प्रमाण भी बनी। ब्राजील के रियो डी जेनेरो में हुई 17वीं ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह वैश्विक राजनीति, भू-आर्थिक चुनौतियों और बहुपक्षीय सहयोग को लेकर भारत का पक्ष रखा, उसने न केवल भारत की छवि को मज़बूत किया, बल्कि यह भी साबित किया कि एक दूरदर्शी नेतृत्व किस तरह जटिल वैश्विक माहौल में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकता है। मोदी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेषकर दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में चीन की एकाधिकारवादी रणनीति की ओर इशारा करते हुए यह स्पष्ट किया कि कोई भी देश इन संसाधनों को 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल न करे। यह बयान ना सिर्फ भारत की रणनीतिक चिंता को दर्शाता है, बल्कि मोदी के संतुलित, लेकिन दृढ़ वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक भी है। रूस और चीन जैसे देशों की मौजूदगी में भी मोदी ने न तो पश्चिमी ताक़तों की आलोचना की और न ही अंध समर्थन दिया। इसके बजाय उन्होंने ग्लोबल साउथ के अधिकारों, विकास के अवसरों और समावेशी वैश्वीकरण की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उनका यह रुख ब्रिक्स को एकतरफा मंच बनने से रोकता है और भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को उजागर करता है। प्रधानमंत्री के संबोधनों से यह भी स्पष्ट हुआ कि नरेंद्र मोदी केवल घरेलू राजनीति के माहिर नहीं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बारीक समझ रखने वाले नेता भी हैं। देखा जाये तो वह भारत को वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में प्रस्तुत करने में सफल रहे हैं।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत-ब्राजील के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामरिक साझेदारी को मजबूत करने वाली भी साबित हुई। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा, ऊर्जा, कृषि, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी 2.0 की ओर बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई है।

हम आपको बता दें कि भारत और ब्राजील ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। खासतौर पर कृषि उत्पाद, औषधीय उद्योग, टेक्सटाइल, और आईटी सेवाओं में सहयोग के नए द्वार खुले हैं। इससे भारतीय एमएसएमई और निर्यातकों को नए बाजार मिलेंगे। इसके अलावा, ब्राजील जैव ईंधन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी देश है। भारत के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को देखते हुए दोनों देशों ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। साथ ही ब्रिक्स, जी20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर भारत और ब्राजील ने विकासशील देशों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की मजबूत वकालत की।

इसके अलावा, ब्राजील के साथ मजबूत संबंध भारत को लैटिन अमेरिका में रणनीतिक पहुँच प्रदान करते हैं। यह महाद्वीप ऊर्जा, खनिज और कृषि संसाधनों से समृद्ध है और भारत के लिए एक नया आर्थिक और भू-राजनीतिक अवसर है। हम आपको यह भी बता दें कि

ब्राजील, विश्व का सबसे बड़ा सोया उत्पादक और निर्यातक है। भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए यह साझेदारी महत्त्वपूर्ण हो सकती है। साथ ही, ब्राजील के पास प्रचुर मात्रा में कच्चा तेल, इथेनॉल और जलविद्युत क्षमता है जो भारत की ऊर्जा रणनीति में योगदान कर सकती है।

इसके अलावा, अंतरिक्ष तकनीक, रक्षा उत्पादन और एयरोनॉटिक्स के क्षेत्र में ब्राजील की विशेषज्ञता और भारत की विनिर्माण क्षमता मिलकर एक मजबूत टेक्नोलॉजिकल गठजोड़ बना सकते हैं। हेल और ऐम्बयर जैसे संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाएं प्रबल हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और ब्राजील दोनों जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर समान सोच रखते हैं। ग्लोबल साउथ के हिस्से के रूप में, दोनों मिलकर विकसित देशों से जलवायु फंड और तकनीकी हस्तांतरण के लिए सामूहिक दबाव बना सकते हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने आतंकवाद से निपटने पर भी विचार-विमर्श किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर स्पष्ट हैं कि आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। मोदी ने मीडिया को दिये अपने बयान में कहा, ''आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारी सोच एक जैसी है, यथा- आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति और यह कि इसे लेकर दोहरा मानदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद और आतंकवाद का समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं।'' मोदी ने कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत-ब्राजील संबंध कार्निवल (रंगारंग जुलूस) की तरह रंगीन हों, फुटबॉल की तरह जोशीले हों, और सांबा (नृत्य) की तरह दिलों को जोड़ने वाले हों और वीजा काउंटर पर लंबी कतारें न हों। इस भावना के साथ।'' उन्होंने कहा, ''हम दोनों देशों के लोगों, खासकर पर्यटकों, छात्रों, खिलाड़ियों और व्यापारियों के बीच आपसी संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास करेंगे। विभिन्न भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-ब्राजील साझेदारी स्थिरता और संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और दोनों पक्ष इस बात पर एकमत हैं कि सभी विवादों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया। मोदी ने लूला के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, ''आज राष्ट्रपति द्वारा ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न केवल मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए भी अत्यंत गर्व और भावना का क्षण है।'' हम आपको बता दें कि मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी का ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस में 114 घोड़ों की एक अनूठी परेड के साथ भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद, प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत भारत माता की जय के नारों से किया। मोदी ने वहां मौजूद लोगों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री का स्वागत संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा एक बार फिर यह सिद्ध करती है कि उनका नेतृत्व केवल भाषणों या आयोजनों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय रणनीति, साझेदारी और भारत के दीर्घकालिक हितों की ठोस पैरवी में भी प्रभावशाली है। आज जब विश्व एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, तो ऐसे में भारत का नेतृत्व एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो न केवल अपने देश के लिए सोचता है, बल्कि दुनिया के भविष्य को भी दिशा देने की क्षमता रखता है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक दौरा नहीं थी, बल्कि यह ग्लोबल साउथ की आवाज़ को संगठित करने और भारत की एक जिम्मेदार, भरोसेमंद भागीदार के रूप में छवि को और मजबूती देने की दिशा में एक ठोस कदम थी। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि भारत और ब्राजील के बीच बढ़ती निकटता न केवल दोनों देशों के नागरिकों को व्यावसायिक, तकनीकी और सांस्कृतिक लाभ देगी, बल्कि यह वैश्विक बहुध्रुवीय व्यवस्था को संतुलित करने में भी योगदान दे सकती है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मोदी जी जनता के दिलों पर राज करते हैं

अखिलेश जैन

उतार-चढ़ाव से भारी भारतीय राजनीति में वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विशेष स्थान है या मोदीजी की कार्यशैली ने मोदीजी का भारतीय राजनीति के साथ-साथ विश्व के राजनैतिक मंच पर अपना विशेष स्थान बना लिया है। यह 140 करोड़ लोगों के लिए बहुत गर्व की, बहुत बड़े सम्मान की बात है।

और विशेष स्थान हो भी क्यों नहीं ?

140 करोड़ भारतवासियों का देश जिसमें अनेकों धर्म, भाषा, रहन-सहन, भोजन, पूजन पद्धति से लेकर वेशभूषा, आय के साधनों तक में भारी अंतर है, इतने अंतरों के बाद भी सबका नेता एक - नरेंद्र मोदी, अर्थात सभी मान्यताओं में फर्क के बाद भी नेता के मुद्दे पर पूरा देश एक साथ मोदी जी के साथ खड़ा है।

ऐसा क्यों?

12 वर्ष का गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यकाल व 11 वर्ष का भारत के प्रधानमंत्री का कार्यकाल अपने आप में बहुत कुछ कहता है। निश्चित रूप से मोदी जी भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। पर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री पार्टी का नहीं राज्य का, देश का होता है।

तुष्टिकरण, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, लिंग भेद, भाषा भेद, राज्य भेद जैसी संकुचित विचारधाराओं से ऊपर उठकर कार्य करने वाले प्रधानमंत्री के लिए 140 करोड़ लोगों का देश एक है, अपना घर है। भारत के पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक के लिए प्रधानमंत्री जी के निर्णयों में एकरुपता है। देश को बांटने वाली बाधाओं को मोदी जी ने ही खत्म किया है। यह मोदी जी का ही निर्णय है जिसके कारण मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की तलवार से हमेशा-हमेशा के लिए मुक्ति मिली। देश को सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का महामंत्र मिला। देश के गरीब नागरिक, जिनके लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद थे, मोदी जी के राज में न केवल बैंक उनके घर गई बल्कि बैंक खातों में सरकार ने आपदा में राशि भी पहुंचाई। पहली बार देश ने ÷ आत्मनिर्भर भारत ÷ ÷ मेक इन इंडिया ÷ का सपना साकार होते देखा। देश के करोड़ों गरीबों को पक्की छत मिली। पहली बार महिलाओं को लोकसभा-विधानसभा में आरक्षण सुनिश्चित हुआ। पहली बार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। पहली बार गरीब का इलाज सुनिश्चित हुआ। पहली बार एक देश-एक कर व्यवस्था लागू हुई। पहली बार जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधक बेड़ियों को हटाया गया। पहली बार देश ने हर गांव तक बिजली पहुंचाने के संकल्प को पूरा करने में सफलता पाई। पहली बार देश ने भाई भतीजावाद, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार से मुक्त सरकार को आजमाया। पहली बार देश ने आतंकवाद पर कड़ा प्रहार देखा। पहली बार देश ने रक्षा उत्पादन में आयात को निर्यात में बदलते देखा। पहली बार देश ने अर्थव्यवस्था को छलांग लगाते हुए देखा। पूरे विश्व में भारतीयों ने भारतीय होना गौरव की बात है, अनुभव किया।

इस तरह आप देखेंगे कि मोदी जी ने हर वह काम किया जिसका देश की जनता को मोदी जी से आशा,अपेक्षा व विश्वास था।

पर मोदीजी ने तो जनता की आशा, अपेक्षा व विश्वास की सीमाओं से परे जाकर काम किया।

या जनता को उम्मीद से कहीं ज्यादा विनम्रता पूर्वक वापस लौटाया ।

अंधकार व निराशा के गर्त से उठाने के लिए मोदी जी सहारा बने। खोया आत्मविश्वास जगाने में मोदी जी कामयाब हुए। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ उन गरीब परिवारों को हुआ जो गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करते थे एवं कभी गरीबी रेखा से ऊपर आने का विचार भी मन में लाने का साहस ना था। आज 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आने में सफल हुए हैं।

मोदी जी के राज में पहली बार भारत ने वादे नहीं,नारे नहीं, धरातल पर काम होते देखा।

मोदी जी की कार्यशाली, निर्णय लेने की क्षमता व दूरदर्शिता, मोदी जी को विशिष्टता प्रदान करती है। यह विशिष्टता ही लोगों को मजबूर करती है कि मोदी जी दिलों पर राज करें।

जनता के दिलों पर राज करना किसी राजनेता की असाधारण क्षमता का परिचायक है। यह सिद्ध करता है कि मोदी जी प्रधानमंत्री बनकर नहीं जनता के भाई, बेटे, हमदर्द बनकर काम करते हैं। जनता के अपेक्षाओं को अच्छे से पहचानते हैं।

मोदी जी का प्रधानमंत्री पद जनता की सेवा के लिए है। प्रधानमंत्री पद को मोदी जी ने जनता की सेवा का माध्यम बनाकर प्रधानमंत्री व आम जनता के बीच के अंतर को पाटने में सफलता पाई है। मोदी जी ने प्रधानमंत्री को आम जनता का प्रतिनिधि सिद्ध किया है। मोदी जी ने जनता की आशाओं, अपेक्षाओं और विश्वास पर खरे उतर कर जनता के दिलों में स्थान अर्जित किया है और यही वह मूल कारण है जिसके कारण मोदी जी जनता के दिलों पर राज करते हैं।

मोदी जी प्रधानमंत्री पद से ऊपर उठ कर जनता के दिलों में बसेरा करते हैं।

(लेखक भाजपा मध्य प्रदेश के कोषाध्यक्ष हैं)

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म !

इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी।

हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं। कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भड़का। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, %%मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है न्यू अग्रवाल पनीर भंडार। इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान लालाजी पनीर भंडार के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं। पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का 'संगम शुद्ध शाकाहारी होटल' बन गया 'सलीम ढाबा।' 'मां भवानी जूस कार्नर' का नाम हो गया फहीम जूस केंद्र। 'टी प्वाइंट' का नाम हो गया 'अहमद टी स्टाल। ऐसे ही नीलम स्वीट्स का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के चीतल ग्रैंड के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे जनता वैष्णो ढाबा का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना गणपति ढाबा बेच दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है।

महिला एवं बाल विकास विभाग लिपिक स्थानांतरण मुद्दा गरमाया, अधिकारी मौन

कोया समाज अध्यक्ष ने कहा तबादला पर भार मुक्त नहीं करना और 05वी अनुसूची का हवाला देना अनुचित है शासन का ऐसा कोई नियम हमने ना देखा ना पढ़ा

***जिला कार्यक्रम अधिकारी पांचवी अनुसूची क्षेत्र नियम का हवाला देकर बगैर डिलीवर भार मुक्त करने से कर रहे हैं मना**

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिला महिला एवं बाल विकास विभाग में करीब डेढ़ दशक से एक ही कार्यालय में जमें लिपिक के तबादले का मुद्दा अब पूरी तरह से राजनीतिक तूल पकड़ चुका है ।इस मामले में जिला कार्यक्रम अधिकारी लिपिक का बचाव करते हुए 05वी अनुसूची क्षेत्र के नियम का हवाला देते लिपिक को एक तरफ भार मुक्त करने से इनकार कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी और जिला कोया समाज ने जिला कार्यक्रम अधिकारी के पांचवी अनुसूची वाले इस तर्क को गलत करार दिया है और कहा है की 05वी अनुसूची क्षेत्र में ऐसा कोई नियम हमने आज तक देख पढ़ा नहीं है। दंतेवाड़ा का महिला बाल विकास विभाग हमेशा से ही किसी न किसी मामले को लेकर हमेशा सुर्खियों से घिरा रहा है। इस बार विभाग मीडिया में इस वजह से सुर्खियों में है कि विभाग का एक लिपिक संतोष झा का तबादला शासन में 25 जून को रायगढ़ के ले लूंगा में किया है मगर लिपिक संतोष झा है कि यहां से जाने को तैयार ही नहीं है वहीं उन्हें जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश का भी इस मामले में पूरा साथ मिला हुआ है श्री नागेश भी अपने चहेते लिपिक संतोष झा को भार मुक्त किसी कीमत पर करना नहीं चाह रहे हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी और सहायक ग्रेट 02 संतोष झा की केमिस्ट्री काफी तगड़ी है ।महिला एवं बाल विकास विभाग के लिपि को तबादले बाद भी उन्हें रिलीव नहीं करने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं डीपीओ नागेश से फोन पर श्री झा को तबादले के बाद भी बाहर मुक्त नहीं किए जाने का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शासन का स्पष्ट निर्देश और नियम है की 05 वी अनुसूची क्षेत्र में किसी भी अधिकारी कर्मचारी का स्थानांतरण होता है तो डिलीवर के बिना एक तरफभार मुक्त नहीं किया जा सकता है। रिलीवर आने के बाद ही भारमुक्त करने किया जा सकता है, हम तो शासन के इसी आदेश का पालन कर रहे हैं वहीं दूसरी और जिला कलेक्टर ने अपनी बैठकों में स्पष्ट कहा है कि 03 दिवस के भीतर ही स्थानांतरण हुए अधिकारी कर्मचारी को भार मुक्त किया जाए। अब समझ में यह नहीं आ रहा है कि यहां कलेक्टर की बात मानी जाए या श्री नागेश जो शासन के नियमों का हवाला देकर अपने चाहते बाबू को एक तरफभार मुक्त करने से इनकार कर रहे हैं हाल ही में दंतेवाड़ा तहसीलदार का भी स्थानांतरण हुआ था जिसके तुरंत बाद में बिना रिलीवर के यहां से बाहर मुक्त होकर नवीन पद स्थापना स्थान पर चले गए थे चाहते तो वह भी पांचवी अनुसूची की आड़ लेकर रीलीवर के आने तक कुछ दिन और रुक सकते थे ।इसी मुद्दे पर जिला कोया समाज के अध्यक्ष बल्लू राम भवानी ने कहा कि पांचवी अनुसूची अंतर्गत पेसा कानून लागू हुआ है ,मगर ऐसा कोई नियम हमने नहीं देखा या पढ़ा नहीं है की पांचवी अनुसूची क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जिलों में किसी कर्मचारी का तबादला होने पर उसे रिलीवर आए बिना भार मुक्त नहीं करना है इस तरह का तर्क देकर अधिकारी केवल अपने लिपिक को भार मुक्त करने से बचने का प्रयास कर रहे हैं ऐसा जान पड़ता है। बहरहाल शासन के नियम चाहे जो भी हो शासन ने अगर किसी शासकीय कर्मचारी का स्थानांतरण किया है तो देर सब आईआर सेवर उसे यहां से जाना ही होगा यही सरकारी व्यवस्था है ।अनुसूची की आड़ लेकर आखिर कितने दिनों तक आईसीडीएस का लिपिक अपनी कुर्सी पर चिपके रह सकता है यह अभी आगे देखने वाली बात होगी।

थाना सारागांव पुलिस की प्रोएक्टिव पहल से दो गांवों के बीच तनाव हुआ समाप्त आपसी समझौते से विवाद सुलझा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

सारागांव थाना अंतर्गत ग्राम अफरीद एवं पामगढ़ थाना 'क्षेत्र के मदनपुर गांव के मध्य उत्पन्न हो रहे आपसी मनमुटाव एवं तनावपूर्ण स्थिति को सारागांव पुलिस द्वारा समय रहते प्रोएक्टिव पहल करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया। दिनांक 09 जुलाई 2025 को ग्राम अफरीद से एक बारात पामगढ़ थाना क्षेत्र स्थित गांव गई थी। बारात के स्वागत के दौरान बाराती व घराती पक्ष के बीच नाचने को लेकर मामूली विवाद हो गया जिसमें ग्राम अफरीद से गए लगभग 7-8 बारातियों को हल्की चोटें आई। इस संबंध में कोई थाना रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी और बाराती अपने गांव वापस लौट गए थे। घटना के बाद जब परंपरानुसार दूल्हा दुल्हन विदा होकर ग्राम अफरीद पहुंचे तब गांव में यह अफवाह फैल गई कि पूर्व विवाद के चलते दुल्हन पक्ष के मेहमानों के साथ फिर कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

इससे गांव में तनाव और आशंका का वातावरण बन गया। इस संभावित विवाद की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सारागांव सावन सारथी ने तत्काल सक्रियता दिखाई तथा अपनी टीम के साथ मौके की स्थिति का जायजा लिया। दोनों पक्षों से अलग अलग मुलाकात कर परिस्थिति को समझा और स्थिति को बिगड़ने से पूर्व ही दोनों पक्षों को थाना सारागांव में आमंत्रित किया गया।थाना परिसर में दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक संवाद कराया गया। पुलिस द्वारा प्रभावशाली रूप से समझाइश दी गई और दोनों पक्षों को शांति एवं सौहार्द बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस की समझाइश से प्रभावित होकर दोनों पक्षों ने विवाद को समाप्त करने की सहमति प्रदान की एवं भविष्य में किसी भी प्रकार के मनमुटाव अथवा आक्रोश न करने का आश्वासन भी दिया। इस प्रकार पुलिस की तत्परता समझदारीपूर्ण मध्यस्थता एवं संवाद आधारित समाधान प्रक्रिया से पांच दिनों से चल रहा यह आपसी विवाद शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हुआ। यह सारागांव पुलिस की संवेदनशील प्रोएक्टिव एवं जनहितकारी पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने भिंजाम में महिला स्व सहायता समूह से की मुलाकात

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत बीते सोमवार को ग्राम पंचायत भिंजाम मे एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे।पवन कर्मा जनपद सदस्य ने ग्राम वासियों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्या की जानकारी ली साथ ही ग्राम पंचायत भिंजाम के लक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह से मुलाकात कर चर्चा की गई समूह में आप लोगों के द्वारा क्या-क्या काम किया जा रहा है, क्या-क्या निर्माण किया जा रहा है,और किस तरह आप लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इस अवसर पर लक्ष्मी स्व सहायता समूह के अध्यक्ष , उपाध्यक्ष ,सचिव एवं अन्य दीदियों द्वारा पासबुक एवं रकम की गिनती मिलन जनपद सदस्य पवन कर्मा के द्वारा करवाई गई । इस अवसर पर जनपद सदस्य पवन कर्मा ने समूह की दीदियों को बताया कि शासन द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं से लोन लेकर आप लोग आत्मनिर्भर बन सकते हैं और दूसरों को भी इससे जोड़कर आत्मनिर्भर बना सकते हैं । पवन कर्मा ने सभी ग्राम वासियों को आस्वस्थ किया कि किसी भी प्रकार की सहायता समस्या या अन्य कार्य हो तो नी संकोच उनसे संपर्क करें वे हर समय जनता कि सेवा करने हेतु तत्पर रहते है।

इस अवसर पर क्षेत्र जनपद सदस्य पवन कुमार कर्मा, महिला स्व सहायता समूह की दीदिया एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

ताराचंद वर्मा बने बेमेतरा जनपद सरपंच संघ के अध्यक्ष

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जनपद सरपंच संघ के अध्यक्ष पद पर ताराचंद वर्मा निर्वाचित हुए उन्होंने अपने दो प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर अध्यक्ष पद पर आसीन हुए पुराने जनपद भवन में सोमवार को बेमेतरा जनपद सरपंच संघ के अध्यक्ष का चुनाव हुआ जिसमें तीन प्रत्याशी ताराचंद वर्मा राजा राम चंद्राकार एवं प्रीति यदु थे बेमेतरा जनपद क्षेत्र में 108 सरपंच है जिसमें से 102 सरपंचों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जिसमें से 11 मत निरस्त हो गया और शेष वोट में ताराचंद वर्मा को 57 वोट मिला वही राजा राम चंद्राकर को 30 वोट और प्रीति यादव को 4 वोट से ही संतुष्ट होना पड़ा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू उमरिया सोसायटी अध्यक्ष मोहित साहू ने नवनिर्वाचित सरपंच संघ अध्यक्ष का स्वागत किया इसके साथ ही क्षेत्र के विभिन्न सरपंचों ने भी वर्मा को बधाई दिया बधाई देने वाले में मोहित साहू गजानन साहू सेवक वर्मा भीम सिंह वर्मा लखन कुर्रे ताराचंद पाल लेखू वर्मा अश्वनी साहू खिलेंद्री साहू संतोषी राधे साहु महावीर वर्मा सरस्वती सुखराम एवं बसंती पाल सहित अन्य लोग शामिल।

ईएनटी विशेषज्ञ सेवाएं अब जिला चिकित्सालय में उपलब्ध

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिलेवासियों के लिए एक सुखद ख़बर हैं, अब जिला चिकित्सालय, बीजापुर में कान, नाक और गला (ईएनटी) संबंधी समस्याओं के लिए विशेषज्ञ सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क रूप से उपलब्ध रहेंगी।आज दिनांक से जिला चिकित्सालय के कक्ष क्रमांक - 02 में डॉ. विभु तिवारी (ईएनटी विशेषज्ञ) नियमित रूप से अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. तिवारी को ईएनटी क्षेत्र में वर्षों का अनुभव प्राप्त है और वे निम्न रोगों के सटीक निदान एवं कुशल उपचार में निपुण हैंः कान संबंधी समस्याएंः बहरेपन, कान दर्द, संक्रमण, बहाव, टिनिटस, चक्कर आना नाक संबंधी समस्याएंः साइनस, एलर्जी, सांस लेने में कठिनाई, नाक से खून आना गले के रोगः खराश, टॉन्सिल्स, स्वर बैठना, निगलने में कठिनाई, आवाज की समस्याएंविशेष सेवाएं : ऑडियोलॉजी एवं स्पीच थेरेपी -श्रवण परीक्षण, श्रवण यंत्र सलाह, वाणी प्रशिक्षण गंभीर जटिलताएं - गले/मुख की गांठें, कैंसर, जबड़े का दर्द, थायरॉइड संबंधित विकार। अधिक जानकारी एवं परामर्श समय से संबंधित विवरण के लिए जिला चिकित्सालय, बीजापुर के मितानिन हेल्प डेस्क (सूचना केंद्र) में संपर्क कर सकते हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गीदम में मानसिक स्वास्थ्य कायक्रम आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

दंतेवाड़ा - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा डॉ अजय रामटेके , सिविल सर्जन डॉ अभय सिंह तोमर ,एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ देशदीपक व डी.एम.एच.पी.टीम के द्वारा दिनांक 12/07/2025 को मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गीदम में मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजन किया लोगों की जांच करके दवाई वितरण किया गया तथा मानसिक स्वास्थ्य परामर्श हेतु टेली मानस निःशुल्क नम्बर- 14416 या 1800-8914416 इसने मुख्यरूप से सामाजिक कार्यकर्त्ता विक्रम सिंह उपस्थित थे।

स्टार्टअप हंट दंतेवाड़ा 2025 युवाओं के सपनों को मिलेगा उड़ान का मंच'

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन एक बार फिर नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम उठा रहा है। इस बार फोकस है युवाओं की उद्यमशीलता पर। स्टार्टअप हंट दंतेवाड़ा 2025 नामक यह आयोजन, 'शार्क टैंक' की तर्ज पर 13 अगस्त को यूथ हब, गीदम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के युवा अपने बिजनेस आइडियाज को निवेशकों और विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। इस अनूठे कार्यक्रम का उद्देश्य है जिले में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करना और युवाओं को आर्थिक विकास का भागीदार बनाना। प्रतियोगिता में 16 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वे युवा भाग ले सकते हैं, जिनके पास कोई नया व्यावसायिक विचार है या जिन्होंने अपना स्टार्टअप शुरू किया है। भागीदारी व्यक्तिगत या टीम के रूप में की जा सकती है। स्टार्टअप हंट दंतेवाड़ा 2025 सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक व्यापक मंच है जहाँ चयनित प्रतिभागियों को न केवल विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आइडिया पिच करने का मौका मिलेगा, बल्कि फंडिंग, मेंटरशिप, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग और मार्केट एक्सेस जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसके अलावा, स्टार्टअप्स को तकनीकी सहयोग और जिला प्रशासन का संस्थागत समर्थन भी मिलेगा, जिससे वे अपने व्यवसाय को सशक्त रूप से आगे बढ़ा सकें। यह पहल दिखाती है कि दंतेवाड़ा अब सिर्फ प्राकृतिक सौंदर्य या खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि नवाचार, आत्मनिर्भरता और स्टार्टअप संस्कृति के नए केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। पंजीयन की प्रक्रिया 13 जुलाई से शुरू होकर 20 जुलाई 2025 तक चलेगी।

एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक कॉलेज जावंगा में भावी मतदाताओं को मतदान के महत्व पर किया गया जागरूक

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक कॉलेज जावंगा में बीते सोमवार को स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य भावी मतदाताओं, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को मतदान के अधिकार और उसकी अहमियत के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया, वोटर आईडी कार्ड बनवाने की जानकारी, और मतदान प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक वोट की अहम भूमिका होती है और जागरूक मतदाता ही अच्छे शासन की नींव रखता है। इस अवसर पर युवाओं को यह प्रेरणा दी गई कि वे समय पर अपना वोटर आईडी बनवाएं और आगामी चुनावों में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए मतदान अवश्य करें। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि उनमें मतदान के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना भी विकसित करना था। यह पहल युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी और दंतेवाड़ा जिले में समावेशी एवं सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगी।

आरोपियों द्वारा फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार कर रहे थे प्रताड़ित

डरा धमका कर अवैध रकम वसूली करने के फिराक में चांपा आए दो युवती सहित तीन आरोपी चढ़े थाना चांपा पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कोरबा से आए थे चांपा पीड़ित लड़के से अवैध वसूली करने, जिसे थाना चांपा पुलिस की सक्रियता से तीनों आरोपी पकड़े गए। आरोपियों की प्रताड़ना से पीड़ित लड़के कुछ दिनों से काफी परेशान था, जिसके माता पिता द्वारा पूछताछ करने पर लड़के द्वारा आरोपियों के उगाही के संबंध में बताया। आरोपी का नाम अर्जुन मिंज उम्र 26 साल निवासी दूगर बहार थाना बागबहार जिला जशपुर हाल बोबीपारा अप्पू गार्डन सीएसईबी चौक कोरबा जिला कोरबा एवं प्रकरण में शामिल दो युवती।जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के दिए गए थे निर्देश, जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के मार्गदर्शन में तीनों आरोपियों को पकड़ा गया। मामले में थाना चांपा क्षेत्र के एक 18 वर्षीय लड़का जो विगत कुछ दिनों से काफी परेशान था ठीक से खाना पीना नहीं कर रहा था ठीक से बात भी नहीं कर रहा था। जिससे उसके व्यवहार से किसी परेशानी में होने की आशंका हुई तब उनके माता पिता ने लडका से पूछा तो बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से जिला कोरबा तरफकी निवासी एक लड़की से मार्च 2024 में पहचान हुई थी दोनों एक दूसरे से मोबाइल से चौटिंग, विडियों कॉलिंग के माध्यम से बातचीत करते थे इसी दौरान लड़की के कहने पर फोटो और विडियों भेजा था। विगत कुछ दिनों से मानसिक एवं आर्थिक रूप से प्रताडना कर रह है। और बोलता है यदि बदनामी से बचना है तो पैसा देना होगा तब फोटो वीडियो को डिलीट करेंगे, जो बोल रहा हूं, वह करो, हमारे बताये अनुसार जगह में जो रकम बोल रहा हूं भेजवा दो। आरोपियों के बार-बार मैसेज एवं मोबाईल से रकम मांगने से परेशान होकर जीना नहीं चाहता हूं, कहकर बोलकर लड़का द्वारा अपने माता पिता के पास रोने लगा, लड़के ने यह भी बताया कि वे लोग कोरबा से दिनांक 12.07.2025 को चाम्पा रकम लेने के लिए भेजेगा जहां वह बतायेगे रकम 20000 रूपये दे देना बोला है। आरोपियों द्वारा एक राय होकर लड़के से रकम लेने दिनांक 12.07.2025 को चांपा आए जिसमें से एक युवती लड़के के घर के पास गई वहां पर लड़के का पिता जी था जिसको लड़के के बारे में पूछी तो लड़के का पिता बोला क्या काम है बताओ तो वह बोली कि उसकी सहेली ने गिफ्ट भेजा है। लड़के को देना है, क्या गिफ्ट है पूछने पर युवती द्वारा लड़के के पिता जी को अश्लीलता से गाली गलौच करने लगी और आप कौन हो पूछने लगी, लड़के का पिता जी बताया कि मैं उनका पापा हूं तो वह लडकी भागने लगी जिसे मेन रोड चाम्पा के पास दौड़ाकर रोका देखा वहां पहले से दो लोग एक स्कूटी में जिसमें एक लड़का और एक लड़की पहले से खड़े थे तीनों प्रार्थी के रोकने टोकने से अश्लील गाली गलौच करने लगे हल्ला होने पर पड़ोस के लोग इकटठा हो गये पूछने पर तीनों लोग लड़के के पास रकम लेने आना बताये है जिसकी सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता को मिलने पर तत्काल दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर आरोपियों को पकड़ा। विवेचना के दौरान तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर फोटो वीडियो वायरल करने की बात को लेकर अवैध रकम वसूली करने के लिए लड़के के पास चांपा आना जुर्म स्वीकार किए जाने से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिवत कार्रवाई की गई है, प्रकरण की विवेचना जारी है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चांपा एवं थाना चांपा स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

अस्थि एवं श्रवण बाधित दिव्यांगों के व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

मुंगेली । जिले के 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के अस्थि एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को राज्य के एकमात्र 100 बिस्तरीय शासकीय आश्रयदत्त कर्मशाला प्रशिक्षण केन्द्र, फल-सब्जी मंडी रोड तिफरा, बिलासपुर में निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इच्छुक दिव्यांगजनों से शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ने बताया कि प्रवेश के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता, आमदनी या राशनकार्ड की छायाप्रति के साथ दो फोटो के साथ आवेदन किया जा सकता हैं। चयनित विद्यार्थियों को रहने, खाने एवं प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। अधिक जानकारी हेतु जिला-बिलासपुर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र से संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सबसे पहले लाइफ़इंश्योरेंस अभियान की मदद से बीमा जागरूकता समिति सबसे पहले सुरक्षा पर आधारित वित्तीय योजना को बढ़ावा देती है

मुंबई: दिसंबर 2023 के एनआईए अध्ययन (द्ब) के अनुसार, भारत एक उल्लेखनीय जीवन बीमा सुरक्षा की कमी से जूझ रहा है। इस कमी का अंतर 2019 में 83त्न से बढ़कर 2023 में 87त्न हो गया है। 18 से 35 वर्ष की उम्र के लोगों में 90त्न से ज़्यादा की यह कमी और भी ज़्यादा साफ़ तौर पर दिखाई देती है। यह बढ़ती असुरक्षा परिवारों की वित्तीय सुरक्षा (फ़ाइनैंशियल सेक्योरिटी) और उम्मीदों के लिए एक गंभीर खतरा है। इसकी व्यापक्ता से जुड़ी चुनौती से निपटने के लिए ही भारत में सभी जीवन बीमा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली बीमा जागरूकता समिति (इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी) ने अपने राष्ट्रीय अभियान सबसे पहले लाइफ़ इंश्योरेंस के अगले चरण की शुरुआत की है। यह पहल हर भारतीय को एक नए उत्साह के साथ लाइफ़ इंश्योरेंस को अपनी वित्तीय यात्रा की बुनियाद मज़बूत बनाने, बढ़ती जागरूकता को सार्थक कार्रवाई में बदलने के लिए प्रेरित करती रहेगी। अपने मूल में, यह अभियान बुनियादी वित्तीय सुरक्षा की उपेक्षा करते हुए बचत और निवेश को प्राथमिकता देने की आम आदत को चुनौती देता है। यह इस पर ज़ोर देता है कि लाइफ़इंश्योरेंस (जीवन बीमा) किसी भी सुरक्षित वित्तीय योजना की शुरुआत होनी चाहिए। क्योंकि इससे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने और सेवानिवृत्ति जैसे लॉन्ग-टर्म लक्ष्य हासिल करने के लिए एक मज़बूत आधार मिलता है। भरोसेमंद कहानी सुनाने और भावनात्मक रूप से दिल-दिमाग में बैठने वाले आख्यानों के ज़रिए, यह अभियान रोज़मर्रा के उन पलों में जान फूँक देता है जो सही मायनों में दाँव पर लगे हैं। यह अभियान न सिर्फ़ एक अनुबंध के रूप में, बल्कि जीवन के एक औज़ार के रूप में लाइफ़इंश्योरेंस को उसकी खास जगह देता है, जैसे सपनों की रक्षा करना, परिवारों का सहारा बनना और मन की शांति देना। उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव लाने और जीवन बीमा समाधानों के बारे में जागरूकता फैलाने और इसकी पहुँच बढ़ाने के लिए इस अभियान की योजना एक साल तक चलने वाली एक नई पहल के रूप में तैयार की गई है। इसकी पहुँच लोगों तक हो और उन्हें यह हमेशा याद रहे, इसके लिए इसे टेलीविज़न, डिजिटल, प्रिंट, आउटडोर आदि सहित कई मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर लागू किया जाएगा। इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (द्धष्ट-स्द्धद्ब) के एक सदस्य ने कहा, सबसे पहले तो यह जान लें कि लाइफ़ इंश्योरेंस सिर्फ़ एक नारा नहीं है, बल्कि यह समय की एक साफ़-साफ़ पुकार है कि हम वित्तीय योजना से कैसे जुड़ते हैं, उसके लिए क्या करते हैं। हम अक्सर धन कमाने की कोशिशों में उसकी सुरक्षा को नज़रअंदाज़ करते हैं और यह सोचते हैं कि बाद में देखा जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य इसी मानसिकता को बदलना है। धन कमाने के बाद उसे बचाना भी ज़रूरी होता है। यह वित्तीय सुरक्षा को सबसे पहले रखना का मामला है।

ओबीसी सशक्तिकरण: 'ओबीसी विद्रोह' को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली; नरहरि की 'शकरि-विक्रमादित्य' भी जल्द ही रिलीज़ होगी

नई दिल्ली —- हाल ही में एक नई पुस्तक, 'द ओबीसीज़ अपराइजिंग: अ न्यू नैरेटिव ऑन सोशल जस्टिस एंड पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन' का लोकार्पण हुआ। इस पुस्तक के सह-लेखक मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी. नरहरि, आईएएस और उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पृथ्वीराज सिंह हैं। यह कृति भारत में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत करती है, जो पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है। 'द ओबीसीज़ अपराइजिंग' हाल ही में प्रकाशित हुई है और इसे पाठकों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। तेलुगु भाषा में इसकी लगभग 3500 प्रतियाँ बिक चुकी हैं और इसके अंग्रेज़ी संस्करण में भी रुचि बढ़ रही है। प्रकाशक ने घोषणा की है कि यह पुस्तक जल्द ही भारत भर के सभी प्रमुख किताबों की दुकानों में उपलब्ध होगी। यह पुस्तक अतीत और वर्तमान में ओबीसी के सामने आने वाली चुनौतियों का गहराई से विश्लेषण करती है। नौ अध्यायों में विभाजित, यह कोलोनियल पॉलिसीज़ के प्रभाव, आरक्षण की राजनीति के विकास और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों और नीतिगत विकासों के कानूनी विश्लेषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करती है। पुस्तक की एक प्रमुख विशेषता ओबीसी घोषणापत्र है, जो एक विस्तृत पालिसी चार्टर है जिसमें समुदाय के प्रतिनिधित्व, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण की विशिष्ट माँगों को रेखांकित किया गया है। इस पुस्तक का लोकार्पण 'महागाथा' मंच द्वारा किया गया। महागाथा का मानना है कि यह पुस्तक सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करेगी, जो वैदिक ज्ञान को समकालीन मुद्दों के साथ एकीकृत करने के उनके मिशन के अनुरूप है। लेखकों के पास इस कार्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। पी. नरहरि ने कहा, यह पुस्तक पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है, जो ओबीसी आख्यान के व्यापक अन्वेषण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है। सह-लेखक पृथ्वीराज सिंह ने कहा, हमारा मानना है कि यह पुस्तक एक कार्यवाही का आह्वान है—ऐतिहासिक अन्यायों को दूर करने और भारत के लिए एक सच्चे समावेशी भविष्य की कल्पना करने हेतु एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया उपकरण।

खाद की किल्लत से परेशान किसानों का फूटा गुस्सा, भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर चक्काजाम

सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें

मूक पत्रिका/कांकेर :- खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों को खाद की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इसी संकट के विरोध में सोमवार को भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर ग्राम केवटी के पास किसानों ने सड़क पर उतरकर चक्काजाम किया। किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि बार-बार आश्वासन के बावजूद खाद की उपलब्धता नहीं हो पा रही है।

किसानों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी उन्होंने खाद की कमी को लेकर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद प्रशासन ने तीन दिनों के भीतर खाद उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन हकीकत यह है कि आज तक वितरण शुरू नहीं हो पाया है। इसी असंतोष के चलते किसानों ने एक बार फिर सड़क जाम कर दिया है

चक्काजाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। आने-जाने वाले यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, कुछ स्कूल बसें और एंबुलेंस भी जाम में फंस गईं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।

मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से बातचीत की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित किसानों ने पहले खाद, फिर बात की मांग को दोहराते हुए किसी भी बातचीत से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने खाद की जल्द आपूर्ति का भरोसा दिलाने की कोशिश की, लेकिन आंदोलनकारी किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक खाद का वितरण नहीं शुरू होता, वे पीछे नहीं हटेंगे।

यह घटना एक बार फिर से दर्शाती है कि खेती-किसानी से जुड़े बुनियादीसंसाधनों की अनदेखी किस तरह आम किसानों को सड़कों पर लाने को मजबूर कर देती है। प्रशासन के लिए यह चेतावनी है कि समय रहते उचित समाधान नहीं हुआ, तो किसानों का असंतोष एक व्यापक आंदोलन का रूप ले सकता है।

अंबिकापुर हादसा: बिजली विभाग की लापरवाही ने छीनी एक और जिंदगी

मूक पत्रिका/अंबिकापुर - सड़क पर लटकती बिजली की तारों ने एक बार फिर बेगुनाह जिंदगी को छीन लिया। अंबिकापुर के सदर रोड पर स्कूटी सवार एक युवक की झूलते हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा केवल एक घटना नहीं, बल्कि बिजली विभाग की घोर लापरवाही और प्रशासन की निष्क्रियता का नतीजा है।

क्या है पूरा मामला ?- सदर रोड पर एक सामान्य दिन की सुबह, एक युवक अपनी स्कूटी पर अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। लेकिन सड़क पर लटक रही बिजली की तारों ने उसकी जिंदगी छीन ली। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल युवक को रायपुर रेफर किया गया, जहां 10 दिन बाद उसने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह तार लंबे समय से जर्जर हालत में थी, और इसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग को की गई थी। फिर भी, कोई कार्रवाई नहीं हुई।

लापरवाही की परतें

जर्जर तार और खंभे: अंबिकापुर में कई जगहों पर बिजली के तार और खंभे जर्जर हालत में हैं। समय पर निरीक्षण और मरम्मत का अभाव हादसों को न्योता दे रहा है।

गैरकानूनी हुकिंग: कई इलाकों में अवैध हुकिंग कनेक्शन आम हैं, जो तारों पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं और हादसों का कारण बनते हैं।

प्रशासन की चुप्पी: स्थानीय प्रशासन को इस खतरे की जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

क्या है समाधान ?- इस तरह के हादसों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है:

नियमित जांच और मरम्मत: सभी बिजली लाइनों, खंभों और ट्रांसफॉर्मरों का समय-समय पर निरीक्षण और मरम्मत अनिवार्य हो।

सुरक्षा उपकरणों का उपयोग: फॉल्ट पास्ट लिमिटर जैसे उपकरणों को हर जगह लागू किया जाए।

हुकिंग पर सख्ती: अवैध कनेक्शनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई और कठोर सजा का प्रावधान हो।

CCTV और GPS मॉनिटरिंग: खतरनाक इलाकों में तारों और खंभों की निगरानी के लिए तकनीक का उपयोग हो।

जनजागरूकता अभियान: लोगों को लटकते तारों और जर्जर खंभों की शिकायत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई: लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज हो।

जनता से अपील : यह हादसा एक चेतावनी है। अगर आपके आसपास लटकते तार, टूटे खंभे या अवैध हुकिंग की समस्या है, तो तुरंत शिकायत करें। बिजली विभाग की हेल्पलाइन (1912 या 18001804334) पर कॉल करें या स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। चुप्पी अब और जान ले सकती है।

निष्कर्ष : अंबिकापुर का यह हादसा केवल एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का प्रतीक है। बिजली विभाग की लापरवाही, प्रशासन की उदासीनता और हमारी चुप्पी मिलकर ऐसी त्रासदियों को जन्म दे रही हैं। अब समय है जागने का, आवाज उठाने का और ऐसी घटनाओं को रोकने का। क्योंकि एक और बेगुनाह की जान नहीं जानी चाहिए।

अमेरिका में श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी के नेतृत्व में भगवद्गीता का भव्य वैश्विक उत्सव संपन्न

फ्रिस्को, टेक्सास—अवधूत परमपूज्य श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी, अवधूत दत्त पीठम्, मैसूरु के संस्थापक और पीठाधीश्वर, के नेतृत्व में डलास के फ्रिस्को स्थित एलेन स्टेडियम में संपूर्ण भगवद्गीता पाठ का ऐतिहासिक आयोजन हुआ, जिसमें दुनियाभर से 10,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

पिछले वर्ष की अभूतपूर्व सफलता के बाद , इस वर्ष भी 14 देशों के श्रद्धालुओं ने मिलकर भगवद्गीता के सभी 700 श्लोकों का एक साथ पाठ किया। पूज्य स्वामीजी की दिव्य प्रेरणा से अनेक अनुयायियों ने भगवद्गीता को कंठस्थ कर अपने जीवन में आध्यात्मिक बदलाव को अनुभव किया है। इस आयोजन के माध्यम से पूज्य श्री स्वामीजी भगवद्गीता के संदेश को विश्वभर में प्रसारित कर रहे हैं और आध्यात्मिक समरसता को बढ़ावा दे रहे हैं। पिछले 65 वर्षों से श्री स्वामीजी लाखों श्रद्धालुओं को मंत्र दीक्षा, ज्ञानवर्धक प्रवचनों, और देश-विदेश में कार्य सिद्धि हनुमान एवं भगवान दत्तात्रेय के मंदिरों की स्थापना कर सनातन धर्म के मूल्यों का बढ़ावा दे रहे हैं। पिछले 10 वर्षों से अमेरिका में श्री स्वामीजी भगवद्गीता प्रचार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त अभियान चला रहे हैं, जिससे भगवान श्रीकृष्ण के शाश्वत ज्ञान को बच्चों, युवाओं और वयस्कों तक पहुंचाया जा रहा है। 2025 में पूज्य श्री स्वामीजी द्वारा स्थापित एसजीएस गीता फाउंडेशन एवं गीता महायज्ञ कार्यक्रम की 10वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी—यह एक दूरदर्शी वैश्विक आंदोलन है जिसका उद्देश्य है भगवद्गीता को सभी के लिए सुलभ बनाना।

नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी की पहल से स्वसहायता समूह को मिला भवन

श्रीमती गीता सोम पुजारी
अध्यक्ष - नगर पालिका परिषद् बीजापुर

मूक पत्रिका/बीजापुर - जिले के स्वसहायता समूह की महिलाएं कई वर्षों से भवन के लिए भटक रही थी आज स्वसहायता समूह की महिलाओं को स्थायी भवन मिल गया है। यह नगर पालिका की नव-निर्वाचित अध्यक्ष गीता सोम पुजारी की सक्रियता और संवेदनशीलता के चलते संभव हो पाया।स्वसहायता समूह की महिला संघ लंबे समय से बैठकें, प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों के लिए एक स्थायी भवन की माँग कर रही थीं। इसके लिए उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाई, परंतु हर बार केवल आश्वासन ही मिला।इस बार जब महिलाएं अपनी समस्या लेकर नव-निर्वाचित पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी के पास पहुँचीं, तो उन्होंने तत्काल संज्ञान लिया। अध्यक्ष स्वयं महिलाओं को साथ लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुँचीं और वहाँ एसडीएम (राजस्व) जागेश्वर कौशल से मुलाकात कर विस्तार से पूरी स्थिति से अवगत कराया।

एसडीएम जागेश्वर कौशल ने तत्परता दिखाते हुए नगर पालिका सीएमओ से समन्वय कर पुराना जनपद कार्यालय के पास स्थित एक भवन तत्काल प्रभाव से स्वसहायता समूह को उपलब्ध करा दिया। इस पहल के बाद महिला सदस्यों के चेहरों पर राहत और खुशी साफझलक रही थी।

भवन मिलने पर स्वसहायता समूह की महिलाओं ने जताया आभार- समूह की महिला सदस्यों ने बताया 卐हमारी वर्षों की माँग आखिरकार पूरी हुई,अब हम स्वतंत्र रूप से अपने कार्यक्रम और बैठकें कर पाएँगे।

पहले हर बार अधिकारी और जनप्रतिनिधि हमें सिर्फ आश्वासन देकर टाल देते थे। इस बार पालिका अध्यक्ष

गीता सोम पुजारी के पहल पर हमें स्थायी भवन मिला।हम सभी महिलाएं उनका आभार व्यक्त करती है।

नशामुक्ति, यातायात नियम और साइबर अपराध पर सरगुजा में जागरूकता अभियान

मूक पत्रिका/अंबिकापुर - सरगुजा पुलिस और जिले के गैर-सरकारी, आध्यात्मिक, स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान और उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसाइटी ने मिलकर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवीगंज रोड, अंबिकापुर में नशामुक्ति, यातायात नियमों और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, विशिष्ट अतिथि नई दुनिया दैनिक समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ अनंगपाल दीक्षित और नवा बिहान के विषय-विशेषज्ञों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मीरा साहू ने स्वागत उद्बोधन दिया, और छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का तिलक, पुष्पगुच्छ और श्रीफल भेंटकर स्वागत किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि शिक्षा सही-गलत की समझ विकसित करती है और सरगुजा पुलिस व स्वैच्छिक संगठनों का यह प्रयास नशामुक्त समाज के लिए सकारात्मक बदलाव लाएगा। अनंगपाल दीक्षित ने युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारणों जैसे तनाव, दबाव और बुरी आदतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे की लत अपराध को बढ़ावा देती है और इस अभियान में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

नवा बिहान के संयोजक मंगल पाण्डेय ने बताया कि यह अभियान पिछले पांच वर्षों से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क जागरूकता और परामर्श सेवाएँ प्रदान कर रहा है। ब्रह्माकुमारीज की बी.के. विद्या दीदी ने आध्यात्म और मेडिटेशन को नशे से मुक्ति का रामबाण बताया। अनिल कुमार मिश्रा ने नशे के प्रकार और युवाओं पर इसके दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। वंदना दत्ता ने महिलाओं और बच्चों पर नशे के प्रभाव को रेखांकित करते हुए महिलाओं की सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया।

श्रीमती अराधना त्रिपाठी ने साइबर अपराध और इससे बचाव के उपाय सुझाए, जबकि यातायात प्रभारी विजय कैवर्त ने यातायात नियमों का पालन, हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस के महत्व पर बल दिया। कवि संतोष दास सरल ने अपनी कविता के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत गाया गया। संचालन हिना खान, अध्यक्ष, उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसाइटी, ने किया। प्राचार्या श्रीमती मीरा साहू और मनीषा वर्मा ने आभार व्यक्त किया।

नवा बिहान के सदस्यों संतोष कुमार विश्वकर्मा, आदित्य कुमार गुप्त, सरस्वती तिवारी, यातायात आरक्षक दिनय साहू, विजय आयाम और विद्यालय स्टाफ के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा। यह पहल नशामुक्त, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण कदम है।

क्या होती है 'मनपसंद की शादी'? कलर्स और राजश्री प्रोडक्शंस

अपनी तारीख नोट कर लीजिए ङ्क क्योंकि आ रही है एक ऐसी जोड़ी, जो बनी है सीधे स्वर्ग में! मनोरंजन का वादा दोहराते हुए, कलर्स एक बार फिर हाथ मिला रहा है राजश्री प्रोडक्शंस के साथ, जो पारिवारिक कहानियों के लिए जाना जाता है। इस बार 'शादी का लड्डू' मिलने वाला है एक प्रगतिशील स्वाद के साथ, नए धारावाहिक 'मनपसंद की शादी' में। चैनल ने एक विचारोत्तेजक प्रोमो रिलीज किया है, जो उस प्रिय राजश्री दुनिया की याद दिलाता है, जहां शादियां सिर्फ समारोह नहीं, बल्कि प्रेम, परिवार और परंपरा की भावनात्मक गाथाएं होती हैं। लेकिन इस बार जब सिनेमाई ताकत टेलीविजन स्क्रीन पर आने के लिए तैयार हो रही है, तो विवाह का एक आधुनिक मोड़ सामने आने का इंतजार कर रहा है! प्रोमो में दिखाई देती है भारत की विविध शादी परंपराओं की एक झलक ङ्क अलग-अलग बोलियां, रस्में और क्षेत्रीय रंग, और इसी देसी शादी के रोमांस से जुड़ा है एक सवाल: न लव मैरिज, न अरेंज्ड मैरिज ङ्क आखिर ये मनपसंद की शादी होती क्या है? इसका जवाब लेकर तैयार हैं आरोही शिंदे, जिनका किरदार निभा रही हैं ईशा सुर्यवंशी ङ्क एक मराठी मुलगी, जो राजश्री की दुल्हन के नए युग की प्रतीक हैं और एक नई सोच के साथ आ रही हैं। पिछले तीन दशकों से, राजश्री बैनर ने भारत के सबसे यादगार शादी के ख्वाबों को पर्दे पर उतारा है ङ्क फिर चाहे वो 'हम आपके हैं कौन..!' की रस्में हों, 'मैंने प्यार किया' की शालीनता हो, या 'हम साथ साथ हैं' की पारिवारिक रौनक।

आदिवासियों के हितों की रक्षा करने में सरकार नाकाम – डॉ. संदीप पाठक, प्रदेश प्रभारी आप छग

छत्तीसगढ़ को पूंजीपतियों को सौंपना चाहती है सरकार-मुकेश अहलावत, प्रदेश सह प्रभारी,वक्त छग

जगदलपुर /मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, राज्यसभा सांसद और छत्तीसगढ़ प्रभारी डॉ. संदीप पाठक जगदलपुर के दौरे पर हैं, उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आदिवासियों के हितों की रक्षा करने में सरकार नाकाम है। और जैसा सरकार बोल रही है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त कर देंगें पर सरकार जवाब दे की जो लोग सलवा जुडूम विस्थापित हुए थे वे लोग आज कहां हैं? पुनर्वास के तहत जो कैंप में गए थे उनकी वस्तु स्थिति क्या है? सरकार स्पष्ट करें! जो गांव वीरान पड़े हैं वो लोग कहां गए और अगर उनका पुनर्वास नहीं हो पाया है तो सरकार ने क्या कदम उठाए? निश्चित ही सरकार की मंशा जंगल को किसी और के हाथ में देने की है,क्योंकि अगर पुनर्वास नहीं होते हैं तो इसका सीधा मतलब है कि किसी भी प्रकार के ग्राम सभा का आयोजन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सलवा जुडूम आंदोलन के दौरान विस्थापित आदिवासियों के पुनर्वास मामले में स्थिति चिंताजनक है और सरकार छत्तीसगढ़ की जनता को इसका जवाब दे।भाजपा अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में ही विफल साबित हो रही है

छत्तीसगढ़ प्रदेश सह प्रभारी, उप नेता विपक्ष,दिल्ली,मुकेश अहलावत ने कहा कि छत्तीसगढ़ को साय सरकार उद्योगपतियों के हवाले करना चाहती है। राज्य में अडानी के लिए लाखों पेड़ काटे जा रहें हैं और मुख्यमंत्री ÷एक पेड़ मां के नाम÷ का दिखावा कर रही है। सरकार आदिवासियों के रोजगार की व्यवस्था आज तक नहीं कर पायी है. पुनर्वास की व्यवस्था करने में सरकार फेल रही है। आदिवासियों के लिए अच्छे स्कूलों की व्यवस्था नहीं कर पा रही है। राज्य सरकार आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया क्यों नहीं कर पा रही है,आज भी अगर कोई बड़ी घटना घटती है तो उनका इलाज दंतेवाड़ा बीजापुर में कराना पड़ता है। पाँचवी अनुसूची होने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। लगता है उद्योगपतियों से विष्णुदेव साय जी ने पूरे छत्तीसगढ़ को उजाड़ने का ठेका ले लिया है प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा कि सरकार पन विद्युत परियोजना के प्रभावित 53 गांव में ग्राम सभा क्यों नहीं करवा रही है। विस्थापित आदिवासी परिवारों को आज भी बुनियादी पहचान, भूमि, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर तत्काल अमल हो, हथियार की रिकवरी और पुनर्वास योजनाओं का क्रियान्वयन होना चाहिए। विस्थापित आदिवासियों को जल जंगल जमीन पर अधिकार मिलना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू, प्रदेश महासचिव वदूद आलम, प्रदेश संगठन महामंत्री जसबीर सिंग चावला, प्रदेश महासचिव (सोशल मीडिया, मीडिया प्रभारी), मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष भानु चंद्रा, रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अज़ीम खान, रायपुर लोकसभा महासचिव प्रदुमन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य कांकेर देवलाल नरेटी,प्रदेश उपाध्यक्ष बल्लू राम भवानी, प्रदेश संगठन मंत्री समीर खान, प्रवक्ता तरुणा बेदरकर, लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग, इमरान खान, शिव शर्मा सहित वरिष्ठ और अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े महिला पुलिसकर्मी के घर में घुसकर किया बड़ा कांड! युवक की तलाश में जुटी पुलिस

घर के बाहर आकर किया गाली गलौज और तोड़फोड़, अलमारी में रखे 20,000 नकद और लैपटॉप लेकर फरार

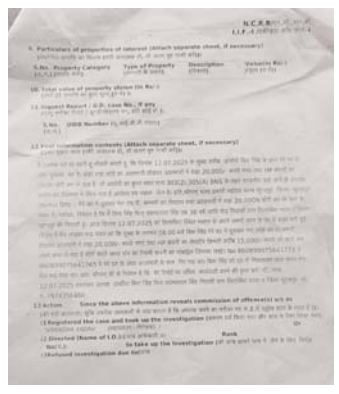

सूरजपुर /मूक पत्रिका

कोतवाली थाना क्षेत्र के माता कर्मा चौक में दिनदहाड़े एक महिला पुलिसकर्मी के घर में घुसकर एक युवक द्वारा चोरी और तोड़फोड़ की वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना से महिला पुलिसकर्मी के परिवार में दहशत का माहौल है। शिकायत पर पुलिस युवक की खोजबीन कर रही है।

घर के बाहर आकर किया गाली गलौज और तोड़फोड़- दरअसल, सूरजपुर में अब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है। पुलिस विभाग में पदस्थ महिला पुलिसकर्मी ड्यूटी के बाद रात को घर में सो रही थी। उसी दौरान बीरू सिंह ग्राम तिलशिवा द्वारा घर के बाहर आकर गाली गलौज करने लगा और घर में लगे सीमेंट की सीट को तोड़ दिया। हंगामे को देख महिला पुलिसकर्मी ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे, युवक को डांटकर भगा दिया।

अलमारी में रखे 20,000 नकद और लैपटॉप लेकर फरार- इसके बाद सुबह जब पुलिसकर्मी घर पर नहीं थी, उसी दौरान घर में सो रहे बच्चे को डरा-धमकाकर के घर के भीतर घुसकर अलमारी को तोड़ा और उसमें रखे करीब 20,000 नकद और एक लैपटॉप लेकर फरार हो गया,चोरी करते समय चोर का रियलमी कंपनी का मोबाइल आलमारी के पास गिर गया था। जिसे पुलिस वालों ने जप्ती कर लिया है। महिला पुलिसकर्मी ने थाने में शिकायत कर बताया कि बीती रात भी वही संदिग्ध युवक उनके घर के सामने आकर जमकर गाली-गलौज कर तोड़फोड़ कर रहा था और सुबह घर में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया।

पुलिस ने महिला पुलिसकर्मी की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है, और वीडियो में दिख रहे युवक की तलाश कर रही है। बहरहाल इस घटना से महिला पुलिसकर्मी दहशत में है। वहीं इस घटना से सवाल यह उठ रहा है कि जब कोई व्यक्ति पुलिसकर्मी के ही घर में घुसकर इस तरह की वारदात को अंजाम दे सकता है तो आम आदमी भला कैसे सुरक्षित रहेगा।

शिकायतों की भरमार, फिर भी जिला शिक्षा अधिकारी अडिग, सूरजपुर में उठे संरक्षणवाद के सवाल

सूरजपुर /मूक पत्रिका

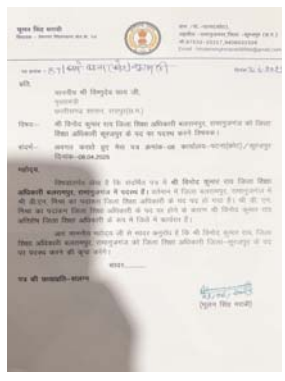

जिले में जिला शिक्षा अधिकारी के पद को लेकर लगातार उठ रही नाराजगी और शिकायतों के बावजूद प्रशासन की चुप्पी अब सवालों के घेरे में है। शिक्षा विभाग से जुड़े जनप्रतिनिधि, संगठनों और निजी विद्यालयों के संचालकों ने लगातार पत्राचार कर वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा को हटाने की मांग की है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

विधायक से लेकर जिला अध्यक्ष तक विरोध में- जिले के विधायक भुलन सिंह मरावी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, भाजपा युवा नेता मोहित राजवाड़े सहित कई अन्य जनप्रतिनिधियों ने पत्रों के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी को सूरजपुर से हटाने की सिफारिश शासन से की है। बावजूद इसके अधिकारी का तबादला नहीं होना, किसी उच्चस्तरीय संरक्षण की ओर इशारा करता है।

आखिर क्यों उठी हटाने की मांग?- संचालकों से संवादहीनताः निजी विद्यालय संचालकों का आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी न तो मिलने का समय देती हैं, न ही फोन उठाती हैं। जरूरी कार्यों पर बात करने से भी परहेज करती हैं जिससे निजी संस्थानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

मान्यता नवीनीकरण में लापरवाही: सत्र 2025ङ्क26 के लिए विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण की प्रक्रिया में देरी, दस्तावेजों की अनदेखी और बिना सूचना के आवेदन निरस्त करने जैसे आरोप बार-बार सामने आए हैं। इससे शिक्षा व्यवस्था बाधित हो रही है।

आर.टी.ई. भुगतान लंबित: सत्र 2018-19 एवं 2019ङ्क20 के आर.टी.ई. अंतर्गत छात्रवृत्ति भुगतान अब तक लंबित है। संचालकों का आरोप है कि कई बार आवेदन और अनुस्मारक देने के बावजूद भी भुगतान नहीं किया गया।

उदासीन कार्यशैली: शिकायतों के अनुसार अधिकारी न तो जनदर्शन में भाग लेती हैं और न ही जनप्रतिनिधियों के फोन का जवाब देती हैं। जिले में शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के बीच समन्वय की स्थिति समाप्त होती जा रही है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल- शिकायतों और पत्रों की बाढ़ के बावजूद प्रशासन का मौन शंकाओं को जन्म दे रहा है। सवाल यह भी है कि आखिर किसका संरक्षण अधिकारी को प्राप्त है कि विधायक, मंत्री, संगठन और जिला अध्यक्ष की लिखित सिफारिशों के बावजूद भी तबादला नहीं किया गया?

शिक्षा व्यवस्था पटरी से उतरी- स्थानीय विद्यालयों, शिक्षकों, पालकों और संगठनों के अनुसार, जिले की शिक्षा व्यवस्था अब बिखरने की कगार पर है। अधिकारी के प्रति आक्रोश दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। शिक्षक संगठनों में असंतोष है, जनप्रतिनिधि उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और निजी स्कूलों के संचालन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

अब सवाल यह है-

क्या सूरजपुर के शिक्षा विभाग में जवाबदेही खत्म हो चुकी है?, किसकी शह पर लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही?, क्या शिक्षा व्यवस्था को यूं ही दम तोड़ने दिया जाएगा?

अब देखना यह है कि शासन कब चेतता है और कब ज़िले की शिक्षा व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर निर्णय लेता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आह्वान – 'वेटलैण्ड मित्र' बनें, जैविक विरासत को बचाएं

- **नवा रायपुर में वेटलैण्ड एवं जैव विविधता संरक्षण पर उच्चस्तरीय कार्यशाला का आयोजन**

रायपुर /मूक पत्रिका

जैव विविधता एवं आर्द्रभूमियों (वेटलैण्ड्स) के संरक्षण के उद्देश्य से बीते सोमवार को नवा रायपुर स्थित दण्डकारण्य अरण्य भवन में एक उच्चस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित कैबिनेट के सभी मंत्री एवं विधायकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना केवल आधारभूत ढांचे के विकास से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जैविक विविधता की रक्षा से ही पूर्ण होती है। उन्होंने आह्वान किया कि हर जनप्रतिनिधि व नागरिक जैव विविधता एवं वेटलैण्ड संरक्षण के लिए व्यक्तिगत दायित्व समझें और 'वेटलैण्ड मित्र' बनकर इस अभियान को जनांदोलन में परिवर्तित करें।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जैव विविधता और वेटलैण्ड्स का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों की सुरक्षा का सवाल भी है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से जैव विविधता के संरक्षण में भागीदारी सुनिश्चित करने और ÷वेटलैण्ड मित्र÷ बनकर जनजागरण फैलाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी ने व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने 1992 के अर्थ सम्मिट, जैव विविधता अधिनियम 2002, राष्ट्रीय जैव विविधता बोर्ड की भूमिका और जैव विविधता प्रबंधन समितियों की संरचना एवं कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ देश का तीसरा राज्य है, जहां जैव विविधता प्रबंधन समितियाँ प्रभावी रूप से कार्य कर रही हैं।

आर्द्रभूमि संरक्षण के संदर्भ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पाण्डेय ने बताया कि वेटलैण्ड्स पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की कार्यप्रणाली और जिला स्तरीय आर्द्रभूमि संरक्षण समितियों के गठन की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इन समितियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर वेटलैण्ड्स की निगरानी एवं संरक्षण को मजबूती मिल रही है।

कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई कि राज्य का गिधवा-परसदा पक्षी अभ्यारण्य अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित रामसर साइट बनने की पात्रता रखता है। इसके अतिरिक्त, बलौदाबाजार जिले के खोखरा ग्राम को छत्तीसगढ़ की पहली रामसर साइट के रूप में सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। कार्यशाला के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से ÷वेटलैण्ड मित्र÷ के रूप में जुड़कर जैव विविधता और आर्द्रभूमियों के संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। यह भागीदारी राज्य में पर्यावरणीय चेतना को जनआंदोलन का रूप देने में सहायक होगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव (वन) श्रीमती ऋचा शर्मा, छत्तीसगढ़ वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव राजेश कुमार चंदेले सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित थे।

अनुज ने उठाई सदन में धरसींवा के जनता कि आवाज़

- **सदन मे गूंज उठे अनुज के सवाल**
- **क्षेत्र में बिना होलोग्राम तथा मिलावटी शराब बिक्री व ग्राम नकटी (सम्मानपुर) में ग्रामवासियों को जारी नोटिस एवं धरसींवा स्थित मोहरेंगा नेचर सफारी के अवैध कटाई/ परिवहन के संबंध में किया प्रश्न**

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र 2025 के प्रथम दिन पर बीते सोमवार को धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने अपने क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण सवाल उठाये

जिसमे विधायक अनुज शर्मा ने आबकारी मंत्री से पूछा कि क्या धरसींवा क्षेत्र के ग्राम लालपुर स्थित शराब दुकान में माह जून, 2025 को बिना होलोग्राम तथा मिलावटी शराब बिक्री के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है तथा अनियमितता पर विभाग द्वारा कार्यवाही की गई है या नहीं? जिसके जवाब में आबकारी मंत्री ने बिना होलोग्राम तथा मिलावटी शराब बिक्री को स्वीकार किया और बताया की राज्य स्तरीय उड़नदस्ता द्वारा धरसींवा के ग्राम लालपुर स्थित शराब दुकान में 13 जून 2025 को बिना होलोग्राम तथा मिलावटी शराब के साथ वित्तीय अनियमितता पाये जाने पर कार्यवाही करते हुए प्लेसमेंट एजेंसी कर्मचारियों को काम से निकाल दिया गया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों पर निलंबन की कार्यवाही की गई है।

दूसरे सवाल में विधायक ने राजस्व मंत्री से प्रश्न किया कि *क्या धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नकटी (सम्मानपुर) में शासकीय भूमि पर कब्जाधारियों को नोटिस जारी हुआ था या नही? जिसमे मंत्री का जवाब आया कि उक्त संबंध में कोई भी योजना हेतु आरक्षित/अधिसूचना जारी नहीं की गई है। किंतु छ.ग. हाउसिंग बोर्ड द्वारा षष्ठम विधानसभा के जनप्रतिनिधियों हेतु भूमि की माँग किए जाने का उत्तर प्राप्त हुआ।

वही तीसरा सवाल यह उठाया कि *विधानसभा क्षेत्र धरसींवा में स्थित मोहरेंगा नेचर सफारी में किन-किन पदों कितने कर्मचारी कार्यरत हैं तथा सफारी में किस-किस प्रकार के वृक्ष एवं वन्यजीव कितनी-कितनी तादात में अवस्थित हैं तथा वहाँ अवैध कटाई या परिवहन की प्राप्त शिकायत के संबंध में प्रश्न किया जाया जिसमे मंत्री द्वारा बताया गया की विधानसभा क्षेत्र धरसींवा में स्थित मोहरेंगा नेचर सफारी में नियमित 01 वनपाल, नियमित 01 वनरक्षक एवं 10 दैनिक श्रमिक कार्यरत है। कोई संविदा कर्मचारी कार्यरत नहीं है7 मोहरेंगा वनक्षेत्र में साजा, खैर, तेन्दू, सागौन, बीजा, महुआ, चार, कुसुम, बहेड़ा, धावड़ा, आंवला, बांस आदि मूल्यवान व औषधि प्रजातियों की प्राकृतिक वन संपदा है। वृक्षों तथा वन्यप्राणियों की गणना नहीं की गई है साथ ही वृक्षों की अवैध कटाई और परिवहन के संबंद में कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। विधायक ने आगे कहा कि इसी तरह आगे भी क्षेत्र के जनहित के मुद्दों को सदन तक पहुचाने का काम करते रहूँगा।

उसूर के चिंतनपाल गांव में पुल निर्माण में घोटाले का आरोप, गड्ढा भरने से भड़के ग्रामीण

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के उसूर जनपद अंतर्गत मुरकीनार पंचायत के चिंतनपाल गांव में पुल निर्माण को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। ग्रामवासियों का आरोप है कि पुल निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की राशि डीएमएफ मद से स्वीकृत की गई थी, लेकिन निर्माण के बजाय केवल गड्ढा खोदकर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। हैरानी की बात यह है कि कुछ दिन पहले जेसीबी मशीन से उस गड्ढे को भर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है।

ग्रामीणों ने पूछा है कि ÷जब पुल का निर्माण ही नहीं हुआ, तो आखिर 2 लाख की राशि कहां गई?÷- गांव के लोगों का कहना है कि यह सरपंच और सचिव की मिलीभगत का नतीजा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पूर्व सरपंच को 2 लाख रुपये की राशि दी गई थी, लेकिन कार्य न तो शुरू हुआ, न ही राशि का कोई हिसाब मिला।

वर्तमान सरपंच कमला भगत का कहना है कि उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

वहीं, सचिव अंबालिका ठाकुर ने साफ किया कि ÷यह राशि पूर्व सरपंच को दी गई थी, लेकिन अब तक उसने कोई जवाब या हिसाब नहीं दिया है।÷आगे बताया कि लोगों को आने जाने में परेशानी के चलते गड्ढा को भरा गया है।

गड्ढा भरने की लीपा-पोती, प्रशासन पर भी सवाल- कुछ दिन पहले जिस तरह से जेसीबी चलाकर गड्ढा भर दिया गया, उससे यह सवाल उठता है कि आखिर प्रशासन क्यों चुप है? दो वर्षों से अधूरा पड़ा कार्य बिना किसी पारदर्शिता के दबाया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ÷सरपंच-सचिव को जब चाहे गड्ढा खोदने और जब चाहे भरने की खुली छूट दी जा रही है। यह पूरी तरह से जनधन का गबन है।÷

ग्रामीणों की मांग- ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही पुल का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

प्रतापपुर में शिक्षा व्यवस्था पर जनता का प्रहार : पांच साल से जमे बीईओ पर उठी स्थानांतरण की तेज़ मांग

- **ना फील्ड दौरा, ना योजना पर ध्यान, बीईओ मुन्नूलाल धुर्वे की निष्क्रियता पर फूटा जनता और शिक्षकों का गुस्सा**

मूक पत्रिका/सूरजपुर/प्रतापपुरः-- शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की गुहार अब आवाज़ बनकर गूंजने लगी है। प्रतापपुर विकासखण्ड में बीईओ मुन्नूलाल धुर्वे की लगातार पांच वर्षों की पदस्थापना अब विवाद का केंद्र बन गई है। न निरीक्षण, न संवाद, न सुधार ऐसी स्थिति ने शिक्षा की बुनियाद को हिला कर रख दिया है।

स्थानांतरण नीति की खुलेआम अनदेखी- प्रदेश सरकार की नीति साफहै कोई भी अधिकारी तीन वर्ष से अधिक एक ही स्थान पर नहीं रहेगा, लेकिन प्रतापपुर में बीईओ धुर्वे के मामले में यह नीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। न तो विभागीय हस्तक्षेप हुआ और न ही कोई जिम्मेदारी तय की गई।

फील्ड में ज़ीरो विज़िबिलिटी, योजनाएं कागज़ों में सिमटीं- स्थानीय विद्यालयों की स्थिति चिंताजनक हो गई है। शिक्षकों के अनुसार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी का फील्ड विजिट लगभग शून्य है, जिससे मध्यान्ह भोजन योजना, पाठ्यपुस्तक वितरण और मूल्यांकन जैसे अहम कार्यक्रम केवल कागज़ी कार्रवाई बनकर रह गए हैं।

मध्यान्ह भोजन योजना बेहाल, बच्चों की उपस्थिति प्रभावित- विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता और नियमितता पर कोई निगरानी नहीं है। कभी खाना मिलता है, कभी नहीं और जब मिलता है तो वह भी घटिया गुणवत्ता का। इस कारण बच्चों की उपस्थिति में गिरावट देखी जा रही है।

नेतृत्व की निष्क्रियता से शिक्षकों का मनोबल गिरा- जब ऊपर नेतृत्व ही निष्क्रिय हो तो निचले स्तर पर प्रेरणा की उम्मीद बेमानी हो जाती है। शिक्षकों में विभागीय संवाद और जागरूकता की भारी कमी साफ देखी जा सकती है। शिकायतों और समस्याओं का समाधान नाममात्र ही रह गया है।

जनता और जनप्रतिनिधियों का विरोध, संभागीय आयुक्त को सौंपा गया ज्ञापन- क्षेत्र के शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मिलकर संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए बीईओ के स्थानांतरण की मांग की है। ज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया है कि मुन्नूलाल धुर्वे की वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थापना न केवल नियमों के खिलाफहै, बल्कि यह शिक्षा की प्रगति में एक बड़ी बाधा बन चुकी है। चन्द्रिका कुशवाहा के द्वारा बताया गया कि यह सिर्फ एक अधिकारी के ट्रांसफर की मांग नहीं है, यह शिक्षा के मूल अधिकार की रक्षा की मांग है। प्रतापपुर की नई पीढ़ी को सही दिशा तभी मिलेगी जब प्रशासन में संवेदनशीलता और सक्रियता आएगी।

अब जनता कह रही, बदलाव ज़रूरी है- प्रतापपुर जैसे संवेदनशील और पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए केवल योजनाओं की नहीं, जवाबदेह और ऊर्जावान नेतृत्व की ज़रूरत है। बीईओ की वर्षों से जमी कुर्सी अब बदलाव चाहती है और यह खबर उसी बदलाव की दस्तक है।

90 प्रतिशत से अधिक किसानों ने संतुलित उर्वरक का उठाव कर लाभ प्राप्त किया

सेवा सहकारी समिति नवागढ़ बनी कृषि समृद्धि की मिसाल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति नवागढ़ ने खरीफ सीजन 2025 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस सीजन में समिति से जुड़े कुल 1905 केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) धारक कृषकों में से 1720 कृषक बंधुओं ने संतुलित उर्वरकों का उठाव कर लाभ प्राप्त किया है, जो कुल कृषकों का 90 प्रतिशत से भी अधिक है। कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं कृषि विभाग के मार्गदर्शन और समिति की सतत प्रेरणा के फलस्वरूप किसानों ने यूरिया, डीएपी, एसएसपी, पोटाश और एनपीके जैसे संतुलित उर्वरकों का समुचित उपयोग किया। इस दौरान किसानों द्वारा कुल 795.38 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया गया, जिसके अंतर्गत यूरिया 366.38 मीट्रिक टन, डीएपी 65 मीट्रिक टन, एसएसपी 100 मीट्रिक टन, पोटाश 76 मीट्रिक टन, एनपीके 188 मीट्रिक

टन शामिल हैं। सिर्फ उर्वरक ही नहीं, बल्कि किसानों ने उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीजों का भी उठाव किया, जिनमें धान स्वर्णा के 210 क्विंटल एवं महामाया प्रजाति के 150 क्विंटल बीज शामिल हैं। इससे कृषक अपने खेतों में गुणवत्तापूर्ण और लाभकारी खेती कर पा रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ भी क्षेत्रीय किसानों को मिला है। शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर खाद, बीज और नगद ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में सेवा सहकारी समिति नवागढ़ के माध्यम से अब तक 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को वितरित की जा चुकी है, जिससे खेती-किसानी का कार्य निर्बाध रूप से चल रहा है। सेवा सहकारी समिति नवागढ़ में कार्यरत कर्मचारी मनोज पुरबिया ने जानकारी दी कि कृषि विभाग के निर्देशन में किसानों को संतुलित उर्वरक के उपयोग हेतु लगातार जागरूक किया गया। डीएपी की उपलब्धता सीमित होने पर उसके विकल्प के रूप में एसएसपी, यूरिया, पोटाश एवं एनपीके का महत्व बताया गया। इसका सकारात्मक असर देखने को मिला और कृषकों ने विकल्पों का प्रभावी उपयोग करते हुए लक्ष्य का 90 प्रतिशत से अधिक उठाव कर लिया। इस प्रयास से जहां किसानों की लागत में कमी आई है, वहीं उपज की गुणवत्ता और मात्रा में भी सुधार हुआ है। नवागढ़ की सेवा सहकारी समिति प्रदेश में एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है, जहाँ कृषि विभाग, सहकारी समिति और किसानों के सामूहिक प्रयासों से खरीफ सीजन 2025 में कृषि उन्नति की नई कहानी लिखी जा रही है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025 : बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को दायित्वों की दी गई विस्तृत जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बेमेतरा के सभाकक्ष में बीते सोमवार को बूथ लेवल अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, पर्यवेक्षक एवं संबंधित निर्वाचन स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ, पर्यवेक्षकों एवं सभी प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन से जुड़े उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और सटीकता में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए समयबद्ध और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य करना अत्यावश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को फॉर्म-6 (नवीन मतदाता पंजीयन), फॉर्म-7 (नाम विलोपन/आपत्ति) एवं फॉर्म-8 (नाम, फोटो, पता आदि में सुधार) के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में प्रोजेक्टर के माध्यम से बीएलओ एप्लिकेशन का उपयोग करते हुए फार्म भरने की विधि प्रदर्शित की गई। पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से एप में कार्य करने की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाई गई, जिससे उपस्थित बीएलओ और पर्यवेक्षक तकनीकी रूप से दक्ष हो सकें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवीन मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदाता सूची में जोड़ना रहा। प्रशिक्षण में विशेष रूप से इस बात पर बल दिया गया कि जो भी योग्य नागरिक अब तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करा पाए हैं, उनसे संपर्क कर उनका नाम पंजीकृत कराया जाए। अंत में अधिकारियों ने सभी बीएलओ से आग्रह किया कि वे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सारणी का पूरी निष्ठा के साथ पालन करें और मतदाता सूची को सटीक एवं अद्यतन बनाने में सक्रिय सहयोग दें। यह प्रशिक्षण आगामी चुनाव प्रक्रिया को सुचारू एवं सफल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सेवा सहकारी समिति राखी में वृक्षारोपण किया गया, पेड़ का देखभाल करना जरूरी है : सरपंच भीषम साहू

देवकर /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत राखी सेवा सहकारी समिति के धान खरीदी केंद्र में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया जिसमें मुख्य रूप से ग्राम पंचायत राखी सरपंच भीषम साहू, उपसरंपच अर्जुन भारती, , अध्यक्ष सहकारी समिति देवकर बुधारू साहू लक्ष्मी साहू,पंच मनी राम साहू , रोहित यादव,मिलाप राम साहू, आनंद गुप्ता,बंसत सतनामी, जीतु भारती, रमेश वर्मा,अमन पांडेय, दाऊराम गुप्ता, गोलू यादव, खेलावन दास, अर्जुन गोड़, पुनीत ढीमर, शत्रुघ्न यादव,उल्लास मानिकपुरी, और ग्रामीण जन उपस्थित हुवे।इस अवसर पर सरपंच भीषम साहू ने कहा कि पौधा तो हर लोग लगा सकते है। लेकिन उसका देखभाल करना जरूरी है। क्योंकि की हम लोग अपने बच्चों का देखभाल बचपन से करते हैं। हमारे जीवन में हवा लेने के लिए पेड़ लगाना बहुत जरूरी है।

नगर की प्रभा दीदी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भव्य समारोह में किया सम्मानित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सावन का यह पहला सोमवार बेमेतरा शहर के लिए एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण लेकर आया।

नगर की प्रथम महिला नगर पालिका अध्यक्ष रहीं और 'प्रभा दीदी' के नाम से जानी जाने वाली प्रभा निर्वाणी को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें 70 वर्ष की उम्र में एक नया उद्योग स्थापित कर उसे सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए प्रदान किया गया ङ्क जो अपने आप में पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह सम्मान अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के दौरान एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस गरिमामय अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। साथ ही साथ, वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध भगवता चार्य कार्तिक कृष्ण गोस्वामी महाराज, भगवताचार्य नारायण महाराज, नर्मदा कुंड के महंत सुरेन्द्र दास व नंदकिशोर दास, संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, यू.के. स्वामी, प्रदेश अध्यक्ष राकेश वैष्णव, राघवेन्द्र दास, एवं लोरमी की छोटी रानी अंजना दास की विशेष उपस्थिति ने आयोजन को और भी आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहाः ÷जब अधिकतर लोग उम्र के इस पड़ाव पर विश्राम की कामना करते हैं, तब प्रभा निर्वाणी जी ने न केवल नया उद्योग आरंभ किया, बल्कि उसे एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। वे नारी शक्ति की जीवंत मिसाल हैं और आज के युवाओं और महिलाओं दोनों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।÷

इस आयोजन में प्रभा निर्वाणी की पुत्रवधू एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रज्ञा निर्वाणी भी साथ रहीं, जो अपनी सासू माँ की सामाजिक सेवा के क्षेत्र में योगदान करती हैं,उसे आगे बढ़ा रही हैं

सम्मान प्राप्त करने के बाद भावविभोर होकर प्रभा निर्वाणी ने कहा -यह सम्मान मेरी नहीं, बेमेतरा की धरती की उपलब्धि है। मैं इसी नगर की बेटी हूं और इस नगर ने मुझे हमेशा परिवार जैसा स्नेह दिया है। चाहे राजनीति हो या उद्योग, मेरी हर सफलता की नींव मेरे नगरवासियों का प्रेम और विश्वास रहा है। मेरे लिए मेरा नगर ही मेरा वृंदावन है। इस समारोह में देशभर से वैष्णव ब्राह्मण समाज के सैकड़ों सदस्य उपस्थित हुए, जिन्होंने प्रभा दीदी के इस सम्मान को नारी उत्थान और सामाजिक सेवा के युगांतकारी प्रतीक के रूप में देखा सम्मान समारोह कार्यक्रम के आभार प्रदर्शन कर रहे छुईखदान के छोटे राजा लाल जे के वैष्णव ने कहा कि

प्रभा दीदी की कहानी सिर्फ एक सम्मान की नहीं, वह एक समर्पण, संघर्ष और संकल्प की गाथा है ङ्क जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाएगी कि उम्र कभी भी ऊँचाइयों को छूने की सीमा नहीं बन सकती।

18 जुलाई को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन निजी क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा (छत्तीसगढ़) द्वारा 18 जुलाई 2025, दिन शुक्रवार को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर स्थित कक्ष क्रमांक 65 में आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैंप का उद्देश्य निजी क्षेत्रों में रोजगार के इच्छुक युवाओं को अवसर प्रदान करना है। इस दौरान शिवशक्ति एग्रीटैच लिमिटेड , सरकंडा बिलासपुर द्वारा सेल्स रिप्रेजेंटेटिव (सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव) के कुल 40 पदों पर भर्ती की जाएगी। पद से संबंधित विवरण मे सेल्स रिप्रेजेंटेटिव, योग्यता न्यूनतम 12वीं पास, आयु सीमा 22 से 45 वर्ष वेतनमान ?9500 से ?30,000 मासिक कार्य स्थल बेमेतरा जिला 7 जिला रोजगार कार्यालय, बेमेतरा द्वारा यह प्लेटफॉर्म नियोक्ता (निजी संस्था) एवं बेरोजगार युवाओं को एक मंच पर लाने का कार्य करता है। यह भर्ती पूर्णतः निजी संस्थान में कार्य के लिए है। इच्छुक अभ्यर्थी प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होकर नियोक्ता या उनके प्रतिनिधि से पद, संस्था, कार्य, वेतन एवं अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। । इच्छुक अभ्यर्थी अपने रोजगार पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्र के साथ नियत तिथि को उपस्थित होकर रोजगार का लाभ उठा सकते हैं। भर्ती की समस्त जानकारी कैंप में उपस्थित नियोक्ता या उनके प्रतिनिधि से प्राप्त की जा सकेगी।

कलेक्टर ने किया सरदा धान संग्रहण केंद्र का निरीक्षण, धान के सुरक्षित भंडारण हेतु दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बीते सोमवार को विकासखंड बेरला अंतर्गत सरदा स्थित धान संग्रहण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में संग्रहित धान की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के कारण धान की गुणवत्ता प्रभावित न हो, इसके लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खुले में रखे धान को तिरपाल आदि से पूरी तरह ढंककर रखा जाए, जिससे उसे गीला होने या सड़ने से बचाया जा सके। इसके अतिरिक्त संग्रहण केंद्र में पानी की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने, धान के बोरे ठीक ढंग से जमाने और नियमित निरीक्षण करने की भी हिदायत दी गई। कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत का प्रतिफल तभी मिलेगा जब उनकी उपज को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संग्रहित किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी, गोदाम प्रभारी तथा स्थानीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर शर्मा ने कर्मचारियों को सजगता और ईमानदारी के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। जिले में धान संग्रहण कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह गंभीर और सजग है। इस दौरान एडीएम अनिल वाजपेयी सहित संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे ।

आरंग विधायक एवं सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु खुशवंत साहेब पर हुए हमले की जांच व सुरक्षा की मांग को लेकर पुलिस महानिदेशक को सौंपा गया ज्ञापन

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी पर बीते दिनों हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा करते हुए, बीते सोमवार को सतनामी समाज एवं भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगणों ने पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ शासन को ज्ञापन सौंपा। प्रस्तुत ज्ञापन में इस कायरतापूर्ण हमले को लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक सद्भाव और संत परंपरा पर हमला बताया। समाजजनों ने यह मांग की कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हो, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए और कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि गुरु खुशवंत साहेब जी एक लोकप्रिय जननेता व धर्मगुरु होने के नाते छत्तीसगढ़ समेत देश के कई राज्यों में सामाजिक व जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय रहते हैं। अतः उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे निडर होकर समाज व देशहित में अपनी भूमिका निभाते रहें। ज्ञापन पर आरंग,रायपुर के जनप्रतिनिधियों, पंच, सरपंच एवं समाज प्रमुखों ने हस्ताक्षर कर अपनी भावनाओं को प्रकट किया। ज्ञापन के दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल,भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवशंकर वर्मा,भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश मंत्री अशोक सिन्हा,भाजयुमो जिलाध्यक्ष फनेन्द्र वर्मा,नगर पालिका अध्यक्ष आरंग संदीप जैन,मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा, देवकुमार साहू, टेशवन बघेल, देवा साहू,युवा मोर्चा के पदाधिकारी कार्यकर्ता मुकेश वर्मा, वेद प्रकाश देवांगन, नीरज चंद्राकर, नवीन वर्मा, विनय साहू, पिंटू साहू, दिलराज छाबड़ा,सरपंच, उपसरपंच, पंचगण, समस्त भाजपा परिवार के सदस्य व समाजजन उपस्थित रहें।

सरपंच के साथ गये प्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपकर उक्त अवैध शराब बिक्री एवं पीने वाले लोगों पर रोक लगाने की मांग की

ग्राम पंचायत नारायणपुर में धड़ल्ले से चल रहे शराब व जुआं गांजा पर अंकुश लगाने की मांग

बेमेतरा/नारायणपुर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित क्षेत्रों में इन दिनों धड़ल्ले से बिक रहे शराब व गांजा पिने वालो की संख्या दिब दिब बढ़ती जा रही है, जहां शराब व गांजा पीने वाले लोग सार्वजनिक स्थानों में मंदिर तालाब बाजार सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर धड़े से शराब व गांजा का सेवन करते नजर आ रहे हैं, जिसके चपेट में गांव के छोटे-छोटे बच्चों सहित युवा वर्ग के लोग भी शराब के नशे में लड़ाई झगडे करते नजर आ रहे हैं जिससे गांव में रहने वाले लोगों का जीना हराम हो गया है, जहां शराबी लोग जमकर जुआं व मोबाइल पर पैसा व गांजा के नशे में मारपीट व आने जाने वाले लोगों से गलत व्यवहार करते नजर आ रहे हैं, जिसके चलते गांव का माहौल पूरी तरह से अशांति व्यक्त करते नजर आ रहे हैं, और आने जाने वाले लोगों को डर सता रहा है कि इन शराबियों और जुआरियों के चलते लोग आने-जाने में भी कतरा रहे हैं, इन सभी गैर कानूनी को बंद करने के उपरांत ग्राम पंचायत नारायणपुर के सरपंच बिसाहू साहू राम साहू सहित ग्राम कमेटी के अध्यक्ष एवं पंचों सहित ग्रामीणों ने मारो चौकी को ज्ञापन सौंपाकर ग्राम में हों रहें अवैध शराबियों एवं जुआ गांजा सहित अन्य कार्यों को बंद करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है, जिसमें गांजा दारु इत्यादि बेचते पाए जाने पर20हजार रुपए का दण्डित किया जाए,व किसी भी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थान जैसे स्कूल मंदिर परिषर बाजार गली चौक चौराहे पर दारू गांजा का सेवन करने व गाली गलौज करके मारपीट करते पाए जाने वाले लोगों पर 10हजार रुपए का दंडित किया जाए, और किसी भी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थान जैसे स्कूल मंदिर बाजार गली चौक चौराहा पर जुआं ,ताश और मोबाइल से पैसा लगाकर गेम खेलते पाए जाने पर भी 10हजार रुपए का दण्डित किया जाएगा। इन सभी मांगों को लेकर ग्राम के लोगों ने सरपंच सहित मारो चौकी में ज्ञापन सौंपकर मांग किया गया है कि गांवों में इन अवैध शराब और गांजा जुआं संहित गांवों में हो रहे अवैध नशों को बंद करने की मांग की हैं। इस दौरान सरपंच ने बताया कि गांव में विगत कुछ समय से असामजिक तत्वों द्वारा खुले स्थान पर अवैध रूप से शराब बिक्री एवं खुले आम सार्वजनिक स्थल पर शराब का सेवन किया जा रहा है। जिसमें नशेड़ियों द्वारा नशे की हालत में आएं दिन लड़ाई झगडे होना, अश्लील गालियां देना आम बात हो गई है, जिससे रास्ते में गुजरने वाले लोगों को शर्मशार होना पड़ता है।तथा नशेड़ियों के इस प्रकार के हरकतों से गांव का वातावरण दुषित हों रहा है तथा इससे युवा पीढ़ी पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है तथा महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान सरपंच के साथ गये प्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपकर उक्त अवैध शराब बिक्री एवं पीने वाले लोगों पर रोक लगाने की मांग की हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में सरपंच बिसाहू राम साहू, राजकुमार साहू, बल्ला ठाकुर, सुरेश निर्मलकर ,सलिक राम साहू, टीकाराम साहू, प्रदीप साहू, सुरेन्द्र साहू सहित अन्य लोग भारी संख्या में मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।